

रीवा

17 मार्च 2026
मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

राज्यसभा में एलपीजी संकट पर हंगामा:

खड़गे बोले- सरकार को पहले से पता था, इंतजाम क्यों नहीं किया; लोकसभा में बिना हंगामे के प्रश्नकाल पूरा

नई दिल्ली, एजेंसी। बजट सत्र के दूसरे फेज में सोमवार को लोकसभा में पहली बार प्रश्नकाल बिना किसी हंगामे के पूरा हुआ। इधर राज्यसभा में खल्लू सिलेंडर के संकट को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में कहा कि पेट्रोलियम मंत्री ने लोकसभा में दावा किया कि खल्लू की कोई कमी नहीं है, लेकिन जमीनी हकीकत सरकारी दलों को गलत साबित कर रही है। अगर सरकार समय रहते इंतजाम कर लेती, तो हालात इतने खराब नहीं होते।

इस पर भाजपा सांसद जेपी नड्डु ने खड़गे को टोका। उन्होंने कहा कि



कांग्रेस आपदा में भी राजनीति कर रही है। इसके बाद भी खड़गे ने बोलना जारी रखा। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजजू ने कहा कि

कांग्रेस नेता जवाब नहीं सुनते हैं। लोकसभा में बिना हंगामे के प्रश्नकाल पूरा हुआ: लोकसभा में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही

कुछ विपक्षी सांसदों ने अपने मुद्दे तुरंत उठाने की मांग की। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि उन्हें दोपहर 12 बजे प्रश्नकाल खत्म होने के बाद बोलने का मौका दिया जाएगा।

प्रश्नकाल के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और गजेंद्र सिंह शेखावत ने सांसदों के सवालों के जवाब दिए। राज्यसभा में कार्यकाल पूरा होने पर रंजन गोगोई को विदाई दी गई। 9 मार्च से शुरू हुए बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले हफ्ते में विपक्ष के विरोध के कारण सुबह 11 बजे से 12 बजे तक होने वाला प्रश्नकाल पूरा नहीं हो पा रहा था।

अनंत सिंह बोले- मैं अब चुनाव नहीं लड़ूंगा, बिना नीतीश के लड़ने से मतलब नहीं

तेजस्वी का नाम लेने पर भड़के, कहा- किसका नाम ले लिया



पटना, एजेंसी। बाहुबली अनंत सिंह ने सोमवार को विधानसभा के बाहर चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। अनंत सिंह से पूछा गया कि अगला सीएम कौन होगा। इस पर उन्होंने कहा कि नीतीश जी तय करेंगे। बिना नीतीश के चुनाव लड़के के सवाल पर उन्होंने कहा कि नीतीश नहीं रहेंगे तो मैं भी चुनाव नहीं लड़ूंगा। निशांत और तेजस्वी में से आपका कौन अच्छा लगता है। इस सवाल के जवाब को अनंत सिंह टाल गए। अनंत सिंह ने ये भी दावा किया कि मैं 1 महीने में जेल से छूट जाऊंगा। असली अपराधी पकड़ा जाएगा। अनंत सिंह सोमवार को बैरुज जेल से राज्यसभा चुनाव के लिए वोट डालने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने NDA के पावों का डिकेडेंट्स की जीत का भी दावा किया।

ऑपरेशन सिंदूर टिप्पणी मामले में प्रोफेसर अली खान को राहत, हरियाणा सरकार ने बंद किया केस

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर पर की गई टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरे अशोक युनिवर्सिटी के इतिहास के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को बड़ी राहत मिलती नजर आ रही है। हरियाणा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह प्रोफेसर के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों में आगे अभियोजन की अनुमति नहीं देगी और इसे एक बार की उदारता मानते हुए कार्रवाई बंद करने का फैसला किया है। सरकार के इस रुख के बाद यह मामला अब लगभग खत्म होता दिखाई दे रहा है। कोर्ट में बताया गया कि राज्य सरकार ने प्रोफेसर अली खान के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्रवाई को बंद करने का फैसला किया है। सरकार ने इसे एक बार की उदारता (वन-टाइम मैग्नेनिमिटी) बताते हुए आपराधिक कार्रवाई को बंद करने का फैसला किया है। दरअसल, प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद पर आरोप था कि उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर टिप्पणी की थी। बता दें कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की वह जवाबी कार्रवाई थी जो पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ की गई थी।

कश्मीर के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी, फंसे वाहनों को निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया गया

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर के अधिकांश ऊंचे इलाकों में मध्यम से भारी बर्फबारी हुई, जबकि मैदानी इलाकों में बारिश हुई, जिससे कुछ हिस्सों में वाहनों की आवाजाही बाधित हुआ है। सिंधन टॉप पर भारी बर्फबारी के बाद कई वाहन फंसे गए, जिसके बाद पुलिस और सेना ने फंसे हुए 214 पर्यटकों और स्थानीय लोगों को निकालने के लिए रविवार रात बचाव अभियान चलाया।

अधिकारियों ने कहा कि उत्तरी कश्मीर के बरामुला जिले के गुलमर्ग, मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के दूधपथरी और मध्य

कश्मीर के गांदरबल जिले के सोनमर्ग के पर्यटक रिस्टॉर्स में मध्यम बर्फबारी हुई। उन्होंने कहा कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में मुगल रोड पर पीर की गली, जोजिला अक्ष, उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा में गुरेज, उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में साधना टॉप और दक्षिण कश्मीर में अनंतनाग को जम्मू क्षेत्र में किरतवाड़ से जोड़ने वाले सिंधन टॉप सहित ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी हुई है।

उन्होंने बताया कि साधना टॉप पर 12 इंच से अधिक ताजा बर्फबारी हुई है, जबकि सिंधन टॉप



पर लगभग छह इंच बर्फबारी हुई है। अधिकारियों ने कहा कि बर्फबारी के कारण घाटी में महत्वपूर्ण सड़क संपर्क बंद हो गए हैं, जिनमें गुरेज-बांदीपुरा रोड,

सिंधन-किरतवाड़ रोड और कश्मीर घाटी को जम्मू क्षेत्र से जोड़ने वाली वैकल्पिक सड़क मुगल रोड शामिल है। उन्होंने कहा कि जोजिला दर पर बर्फ जमा होने

के कारण श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही भी निलंबित कर दी गई है। श्रीनगर समेत घाटी के मैदानी इलाकों में बारिश हुई, जो सोमवार सुबह तक रुक-रुक कर जारी रही। श्रीनगर शहर में पिछले 24 घंटों में 15.9 मिमी बारिश दर्ज की गई। पहलगाम पर्यटन स्थल, जो वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविरों में से एक है में 15.7 मिमी बारिश हुई। खराब मौसम के कारण पूरी घाटी में तापमान में गिरावट आई है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को श्रीनगर शहर का अधिकतम तापमान

11.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग चार डिग्री कम था घाटी के अन्य मौसम केंद्रों में भी तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। कम तापमान ने पिछले कुछ हफ्तों में घाटी में प्रचलित असामान्य रूप से उच्च दिन के तापमान की प्रवृत्ति को तोड़ दिया। मौसम विभाग ने 20 मार्च तक मौसम के अनिश्चित रहने का अनुमान जताया है इसमें कहा गया है कि सोमवार और मंगलवार को ऊंचे इलाकों में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है।

ओडिशा के कटक एससीबी मेडिकल कॉलेज में ट्रॉमा आईसीयू में भीषण आग, 10 मरीजों की मौत

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने न्यायिक जांच के लिए निर्देश

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में सोमवार तड़के ट्रॉमा केयर आईसीयू में भीषण आग लगने से कम से कम 10 मरीजों की मौत हो गई। कई अन्य मरीज गंभीर रूप से झुलस गए। प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार, आग सुबह करीब 2:30 बजे पहली मंजिल पर लगी। आशंका है कि बिजली का शॉर्ट सर्किट कारण हो सकता है, हालांकि आग का वास्तविक कारण जांच में पता चलेगा।

घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी तुरंत घटनास्थल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने इस हादसे की न्यायिक जांच के निर्देश दिए हैं ताकि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

मुख्यमंत्री ने अग्निकांड में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अन्य मरीजों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर उनका उपचार जारी रखा जाए। इस घटना में मृतकों



के निकट संबंधियों के लिए मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री राहत कोष से 25-25 लाख रुपये की अनुकंपा सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में उपचारधीन मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढाढस बंधाया। उन्होंने चिकित्सा विभाग और अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिया कि आईसीयू से स्थानांतरित किए गए सभी मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस घटना को गंभीरता से लेते हुए हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी और जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पीएम मोदी बोले— स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव निजी स्वार्थ से प्रेरित

● ओम बिरला ने सांसदों को लिखा पत्र, संसद में बैनर-प्लेकार्ड और आचरण पर जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को निजी स्वार्थ से प्रेरित बताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पीकर बिरला को लिखे एक पत्र में कहा कि कुछ लोग लोकतांत्रिक संस्थाओं को अपने संकीर्ण दायरे में सीमित रखने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी का यह पत्र उस प्रस्ताव के खारिज होने के कुछ दिन बाद सामने आया है, जिसे कांग्रेस



के नेतृत्व वाले विपक्ष ने स्पीकर को पद से हटाने के लिए पेश किया था। 11 मार्च को सदन में ध्वनिमत से यह प्रस्ताव खारिज हो गया था। विपक्ष के 119 सांसदों ने आरोप लगाया था कि लोकसभा अध्यक्ष सदन की कार्यवाही के दौरान पक्षपात कर रहे हैं और

विपक्ष को बोलने के लिए पर्याप्त अवसर नहीं दिया जा रहा। अपने पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रस्ताव गिरने के बाद स्पीकर का वक्तव्य लोकतांत्रिक मर्यादा की संतुलित और गहरी व्याख्या था। उन्होंने लिखा कि लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले नागरिकों ने भी महसूस किया कि इस प्रस्ताव के पीछे निजी स्वार्थ और अहंकार की भावना काम कर रही थी। इधर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी सभी सांसदों को एक पत्र लिखकर संसद की गरिमा बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संसद में उठने वाली हर आवाज देश के 140 करोड़ नागरिकों की आशाओं, आकांक्षाओं और अपेक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है।

डाक विभाग आज से शुरू करेगा '24 स्पीड पोस्ट' सेवा, छह बड़े शहरों में अगले दिन पार्सल डिलीवरी का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया डाक विभाग की '24 स्पीड पोस्ट' सेवा का मंगलवार, 17 मार्च को शुभारंभ करेंगे। इसके तहत जरूरी पार्सल अगले दिन पहुंचाने का वादा किया गया है। प्रथम चरण में यह सेवा देश के छह बड़े शहरों में शुरू की जाएगी। केंद्रीय संचार मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि '24 स्पीड पोस्ट' सेवा के तहत अत्यावश्यक और समयबद्ध पार्सल को अगले दिन गारंटीकृत डिलीवरी सुनिश्चित की जाएगी। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में संचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेममासानी भी मौजूद रहे। सरकार के मुताबिक यह सेवा पहले चरण में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बंगलुरु और हैदराबाद में शुरू की जाएगी। साथ ही '24' और '48 स्पीड पोस्ट' सेवाएं क्रमशः डी+1 (डिस्पैच के अगले दिन डिलेवरी) और डी+2 (डिस्पैच के दो दिन में डिलेवरी) डिलीवरी टाइमलाइन सुनिश्चित करेंगी। इन सेवाओं को विशेष प्रोसेसिंग विंडो और प्राथमिकता वाली हवाई ट्रांसमिशन व्यवस्था के जरिए सक्षम बनाया गया है। नई सेवा में ओटीपी आधारित सुरक्षित डिलीवरी, एंड-टू-एंड ट्रैकिंग के साथ पर्याप्त अलर्ट, बिजनेस ग्राहकों के लिए बाय नाउ पे लेटर (बीएनपीएल) सुविधा, बल्क बुकिंग के लिए मुफ्त पिकअप, एपीआई इंटीग्रेशन और केंद्रीकृत बिलिंग जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। यदि डिलीवरी में देरी होती है तो ग्राहकों को मनी-बैक गारंटी भी दी जाएगी।



बंगाल में चुनाव से पहले मुख्य सचिव-डीजीपी को हटारा

● कोलकाता पुलिस कमिश्नर समेत 6 अधिकारी बदले; आयोग बोला- ये अफसर चुनाव से दूर रहेंगे



नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के दूसरे ही दिन चुनाव आयोग ने 6 अफसरों का तबादला कर दिया। आयोग ने पीयूष पांडे की जगह सिद्धनाथ गुप्ता को DGP बनाया है। वहीं, आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को पद से हटा दिया है। उनकी जगह 1993 बैच के IAS दुष्मंत नारियाला को नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। सुप्रतिम सरकार की जगह अजय कुमार नंद को कोलकाता पुलिस कमिश्नर

बनाया गया है। साथ ही राज्य के गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा की जगह 1997 बैच की IAS अफसर संघमित्रा घोष को गृह सचिव बनाया गया है। चुनाव आयोग के आदेश के मुताबिक यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। नटराजन रमेश बाबू को सुधार सेवा महानिदेशक बनाया गया है। अजय मुकुंद रानाडे को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और IGP (कानून-व्यवस्था) का पद दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि

जिन अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है, उन्हें चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव से जुड़े पद पर तैनात नहीं किया जाएगा। चुनाव आयोग ने रविवार को बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। बंगाल की 294 सीटों पर 2 फेज में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होगी। 4 मई को रिजल्ट आएगा।

ईसी ने कहा- चुनाव तैयारियों की समीक्षा के बाद लिया फैसला: चुनाव आयोग ने आदेश में कहा कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद वह लगातार प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा कर रहा है। इसी क्रम में यह फैसला लिया गया है। आयोग का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक प्रशासनिक बदलाव किए जा रहे हैं।

दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास फ्यूएल टैंक पर हमला, कई उड़ानें डायवर्ट

ट्रम बोले- NATO होर्जुज खुला रखने में मदद करे, नहीं तो बुरा होगा

तेल अवीव/ तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 17वां दिन है। आज सुबह दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास एक फ्यूएल टैंक को निशाना बनाया गया। इससे पहले भी जंग के दौरान यहां हमला हो चुका है। हमले के कारण कुछ उड़ानों को दूसरे एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट कर दिया गया।

वहीं, ट्रम ने रविवार को NATO देशों को धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर सहयोगी देश होर्जुज स्ट्रेट को खुला रखने में मदद नहीं करते हैं तो NATO का भविष्य बहुत खराब हो सकता है। ट्रम ने कहा, 'हमारे पास NATO नाम की एक व्यवस्था है। हम उनके साथ बहुत अच्छे रहे हैं। हमें यूक्रेन के मामले में उनकी मदद करने की जरूरत नहीं थी।



ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने कहा कि इजराइल के सैन्य और डिफेंस फैसिलिटी को निशाना बनाया गया है। यह सॉलिट फ्यूएल वाली स्ट्रेटजिक मिसाइल है, जो 2000-2500 किलोमीटर तक हमला कर सकती है। द नेशनल इंटरस्ट पत्रिका के अनुसार, इस मिसाइल की पहुंच मिस्र, सुडान के कुछ हिस्सों, यूक्रेन के बड़े हिस्से, दक्षिणी रूस, पश्चिमी चीन, भारत और हिंद महासागर और भूमध्य सागर के बड़े क्षेत्रों तक हो सकती है।

फिर भी हमने उनकी मदद की। अब देखना है कि क्या वे हमारी मदद करते हैं।' दरअसल, ट्रम ने



होर्जुज स्ट्रेट का इस्तेमाल करने वाले देशों से इस रास्ते का रक्षा करने के लिए वॉरशिप और जर्करी

जंग के बीच UAE में 19 भारतीय गिरफ्तार, फेक न्यूज फैलाने का आरोप

जंग के बीच UAE ने 35 लोगों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया, जिनमें 19 भारतीय हैं। न्यूज एजेंसी एनए के मुताबिक इन पर सोशल मीडिया पर फेक वीडियो और जानकारी फैलाने का आरोप है। UAE के अर्टोनी जनरल डॉ. हमद सैफ अल शम्स ने बताया कि यह कदम डिजिटल प्लेटफॉर्म की निगरानी के बाद उठाया गया है, ताकि झूठी जानकारी फैलाकर आशाति या डर फैलाने से रोका जा सके।

मदद भेजने की मांग की थी। दुनियाभर का 20% तेल इसी रूट से गुजरता है।



थोक महंगाई 12 महीने में सबसे ज्यादा, फरवरी में ये 2.13% पर पहुंची

● खाने-पीने की चीजों और रोजाना जरूरत का सामान महंगा हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। फरवरी में थोक महंगाई (WPI) बढ़कर 2.13% पर पहुंच गई है। ये महंगाई का 12 महीने का हाई लेवल है। फरवरी 2025 में ये 2.38% पर पहुंच गई थी। इससे पहले जनवरी 2026 में थोक महंगाई 1.81% पर थी। वहीं दिसंबर में थोक महंगाई 0.83% पर थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 16 मार्च को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग लंबी चली तो कच्चे तेल के दाम 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकते हैं। इससे पेट्रोल-डीजल महंगा हो सकता है, जिससे माल ढुलाई का खर्च बढ़ेगा और फल-सब्जी समेत हर जरूरी सामान की कीमतें बढ़ जाएंगी। रोजाना जरूरत के सामान, खाने-पीने की चीजें महंगी हुईं: रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल) की महंगाई 2.21% से बढ़कर 3.27 हो गई।

खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई माइनस 1.41% से बढ़कर 1.85% हो गई।

फ्यूएल और पावर की थोक महंगाई दर माइनस 4.01% से बढ़कर माइनस 3.78 हुई। मैनुफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 2.86% से बढ़कर 2.92% रही। होल्सेल महंगाई के 4 हिस्से: प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है। फ्यूएल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैनुफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं।

● फूड आर्टिकल्स जैसे अनाज, गेहूं, सब्जियां
● नॉन फूड आर्टिकल में ऑयल सीड आते हैं
● मिनरल्स
● क्रूड पेट्रोलियम
● फरवरी में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.21% पहुंच गई है। इससे पहले जनवरी में यह 2.74% थी। महंगाई में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जंग चल रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर ने ली बैठक

जल संरक्षण कार्यों में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देशानुसार कलेक्टर के स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में

कलेक्टर सभागार में बैठक आयोजित की गई बैठक में कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को अभियान की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए कलेक्टर सोमवंशी

ने बताया कि प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से प्रारंभ किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े विभिन्न कार्यों को प्राथमिकता के साथ



किया जाएगा उन्होंने कहा कि गत वर्ष की कार्ययोजना में शामिल अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा नए जल संरक्षण कार्यों के साथ परंपरागत जल स्रोतों का जीर्णोद्धार भी कराया जाए।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 'गांव का पानी गांव में और खेत का पानी खेत में' सुरक्षित रखने के उद्देश्य से तालाब, कुएं, बावड़ियों सहित अन्य परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण एवं

पुनर्जीवन के लिए आवश्यक कार्य किए जाएं। उन्होंने नदियों के उद्गम स्थलों, जलाशयों तथा उनके कैचमेंट एरिया को साफ-सफाई और अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में विभिन्न विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका है इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को प्रभावी रूप से संचालित करें। जल शक्ति मंत्रालय के पोर्टल पर जल संरक्षण से जुड़े कार्यों की जानकारी समय पर अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए उन्होंने नहरों की सफाई, बांधों के कटाव को रोकने, पौधारोपण करने तथा शासकीय भवनों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने की दिशा में भी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों की बैठक, सुप्रीम कोर्ट के आदेश में संशोधन

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। वैदिक स्थित मल्हार पार्क में राज्य शिक्षक संघ के बैनर तले सैकड़ों शिक्षकों ने आज सोमवार को बैठक की इस बैठक में शिक्षकों ने टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश पर गहरी नाराजगी व्यक्त की और इसमें संशोधन की मांग की यह बैठक प्रांताध्यक्ष के निर्देशानुसार प्रदेशभर में चल रही बैठकों की श्रृंखला का हिस्सा थी शिक्षकों का कहना है कि वे वर्ष 1998 से शासन के निर्देशानुसार लगातार शिक्षा सेवा दे रहे हैं ऐसे में लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों के लिए अब टीईटी परीक्षा पास करना अनिवार्य किया जाना उनके साथ अन्याय है कई शिक्षकों की आयु 25 से 50 वर्ष के बीच है और वे वर्षों से विद्यालयों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं शिक्षकों ने कहा कि नए आदेश के कारण उन्हें दोबारा परीक्षा देकर अपनी

योग्यता साबित करने के लिए कहा जा रहा है, जो उचित नहीं है बैठक में उपस्थित शिक्षकों ने सर्वसम्मति से मांग की कि इस आदेश में संशोधन किया जाए और प्रदेश सरकार शिक्षकों के हित में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करे राज्य शिक्षक संघ जिला इकाई के अध्यक्ष सुमार प्रसाद कुशवाहा ने बैठक की अध्यक्षता की उन्होंने कहा कि लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों को दोबारा टीईटी परीक्षा के लिए बाध्य करना उचित नहीं है सरकार को इस विषय में गंभीरता से विचार कर शिक्षकों को राहत देने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि सरकार शिक्षकों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो जिले सहित प्रदेश भर में आंदोलन जारी रखा जाएगा। बैठक में बड़ी संख्या में शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

गैस एजेंसियों का निरीक्षण, कालाबाजारी रोकने के लिए निर्देश

घरेलू गैस के दुरुपयोग पर कार्रवाई, होटल से सिलेंडर जब्त

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार नागरिकों से अपील की गई है कि वे गैस सिलेंडर की पैनिक बुकिंग न करें और घरेलू गैस का उपयोग केवल आवश्यकता अनुसार ही करें। कलेक्टर ने जिले की सभी गैस एजेंसियों को निर्देशित किया है कि वे कालाबाजारी एवं जमाखोरी को रोकें और घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता से गैस उपलब्ध कराएं इसके तहत खाद्य विभाग के अधिकारियों ने 16 मार्च 2026 को जिले की प्रमुख गैस एजेंसियों जैसे लीना इंडेन गैस एजेंसी, प्रताप गैस एजेंसी और शिव शक्ति गैस एजेंसी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वितरण व्यवस्था सुचारू पाई गई और यह सुनिश्चित किया गया कि



सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध हो जांच के दौरान मडरिया चौराहा स्थित प्रिंस होटल से एक घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किया गया अधिकारियों ने यह भी बताया कि जिले में किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अवैध जमाखोरी पर कड़ी नजर रखी जा रही है और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी प्रभारी

जिला आपूर्ति अधिकारी ने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे घरेलू गैस का विवेकपूर्ण उपयोग करें और आवश्यकता से अधिक बुकिंग न करें। उन्होंने कहा कि केवल जिम्मेदार और समयबद्ध वितरण के माध्यम से ही सभी घरेलू उपभोक्ताओं तक पर्याप्त गैस पहुंचाई जा सकती है कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से गैस एजेंसियों का निरीक्षण करें और किसी भी अवैध गतिविधि का तुरंत निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि कालाबाजारी, जमाखोरी और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा घरेलू गैस का दुरुपयोग रोकना प्रशासन की प्राथमिकता है इस अवसर पर खाद्य विभाग के अधिकारी, जिला आपूर्ति विभाग के कर्मचारी और स्थानीय निरीक्षक मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस के छात्रों ने राज्य स्तरीय शिविर में किया प्रतिनिधित्व



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्र खिलाड़ियों साकेत और शिवम गुप्ता ने राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय शिविर में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। यह शिविर 8 मार्च से 14 मार्च 2026 तक चित्रकूट में

आयोजित किया गया था। शिविर पूरा कर वापस लौटने पर महाविद्यालय में दोनों छात्रों का भव्य स्वागत किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने उन्हें मेडल पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी प्राचार्य ने छात्रों को इस उपलब्धि को

महाविद्यालय की प्रतिष्ठा और युवाओं में सामाजिक सेवा के प्रति उत्साह बढ़ाने वाला उदाहरण बताया डॉ. सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है इस प्रकार के राज्य स्तरीय शिविरों से छात्र-छात्राओं में समाज के प्रति संवेदनशीलता और सेवा भावना का विकास होता है उन्होंने विशेष रूप से कहा कि वर्तमान समय में युवाओं का सामाजिक योगदान और जनसेवा की समझ आवश्यक है और इस शिविर में भागीदारी इसी दिशा में एक प्रेरक कदम है कार्यक्रम के दौरान छात्रों को राज्य स्तरीय गतिविधियों, प्रशिक्षण सत्रों और

सामाजिक सेवा कार्यों में भाग लेने का अवसर मिला इसमें उन्हें समाज सेवा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ छात्र अपने अनुभव साझा करते हुए बताते हैं कि यह शिविर उनके लिए न केवल शैक्षणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था बल्कि उनके नेतृत्व कौशल और सामाजिक चेतना को भी मजबूत करने वाला साबित हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय में डॉ. दिलीप कुमार सोनी राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गंगा देवी बैंगनी, प्राणीशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. अरुणा सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. उमाकांत साहू तथा समाजशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक श्रेया शर्मा उपस्थित रहे।

मझगवां में युवक का सदिग्ध शव मिला, नाक पर चोट के निशान



मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। बरगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत मझगवां गांव में सोमवार दोपहर एक युवक का शव सदिग्ध परिस्थितियों में मिला सड़क किनारे एक निर्माणाधीन मकान में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची बरगवां थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई पूरी की शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है मृतक की पहचान बड़गड़ निवासी देवधारी सिंह गोंड के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, देवधारी सिंह गोंड कुछ दिन पहले अपने ससुराल मझगवां आए हुए थे उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई यह अभी स्पष्ट नहीं है घटना के बाद गांव में विभिन्न तरह की चर्चाएं हो रही हैं बरगवां थाना प्रभारी मोहम्मद समीर ने बताया कि मृतक की नाक पर चोट का एक निशान मिला है हालांकि शरीर पर अन्य कोई गंभीर चोट के निशान नहीं पाए गए हैं पुलिस फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है।

20 मार्च तक शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर ने जानकारी देते हुए बताया कि जनजातीय कार्य विभाग मध्य प्रदेश के आयुक्त द्वारा छात्रवृत्ति कार्य की प्रगति धीमी होने पर अप्रसन्नता व्यक्त की गई है वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम माह मार्च में पात्र विद्यार्थियों को शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति भुगतान सुनिश्चित करने के लिए जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं संकुल प्राचार्यों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं निर्देशों में कहा गया है कि सभी अधिकारी अभियान चलाकर अपने अधीनस्थ विद्यालयों में लंबित छात्रवृत्ति प्रकरणों का निराकरण 20 मार्च 2026 तक पूर्ण कराएं ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित न रहे इसके

वैन में बैठे थे 25 बच्चे, फिटनेस और बीमा भी नहीं था, वाहन चेकिंग अभियान में खुलासा



मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। परिवहन विभाग ने सोमवार को वाहन चेकिंग अभियान चलाया इस दौरान सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले दो वाहनों पर कार्रवाई की गई इस दौरान पिकअप वाहन में मेटल कबाड़ क्षमता से ज्यादा लदा मिला। अत्यधिक भार होने के कारण सड़क पर अन्य लोगों की सुरक्षा को खतरा हो सकता था टीम ने वाहन का पीछ कर उसे रोक कर जब्त कर लिया वाहन को आरटीओ कार्यालय ले जाते समय चालक और उसके साथी ने शासकीय कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया। हालांकि टीम को सख्ती के बाद वाहन को कार्यालय लाकर कार्रवाई की गई पुलिस चौकी बंधारा के आगे स्कूल वैन को

भी रोका गया जांच में पाया गया कि वैन में क्षमता से अधिक करीब 25 बच्चे सवार थे जबकि इसमें केवल 8 बच्चों के बैठने की सुरक्षित व्यवस्था थी विभाग ने वैन को जब्त कर लिया बच्चों को शासकीय वाहन से उनके गांवों तक पहुंचाकर उनके अभिभावकों को सौंप दिया इस दौरान अभिभावकों को बच्चों की सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया गया जांच में खुलासा हुआ कि स्कूल वैन बिना वैध दस्तावेजों के संचालित हो रही थी इसमें फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा, पीयूसी और पैनिक बटन जैसी अनिवार्य सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा और स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई जारी रहेगी।

सेवानिवृत्त कर्मचारी ने लेखा अधिकारी पर 5' कमीशन मांगने का आरोप लगाया



मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) विवादों में घिर गया है विभाग के लेखा अधिकारी सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों पर ग्रेच्युटी भुगतान के बदले कमीशन मांगने का आरोप लगा है यह आरोप को देवसर क्षेत्र के सुपेला निवासी सेवानिवृत्त टाइमपाल बन्दी प्रसाद पाठक ने लगाया है बन्दी प्रसाद पाठक सहित करीब 6 कर्मचारी लोक निर्माण विभाग में लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो चुके हैं। उन्हें अभी तक ग्रेच्युटी की राशि प्राप्त नहीं हुई है जिसके कारण वे

परेशान हैं और विभाग के चक्कर लगाने को मजबूर है सेवानिवृत्त कर्मचारी बन्दी प्रसाद पाठक के अनुसार, पीडब्ल्यूडी संभाग के लेखा अधिकारी मनवीर सिंह मोर ग्रेच्युटी भुगतान के लिए कुल राशि का लगभग 5 प्रतिशत कमीशन मांग रहे हैं पाठक का आरोप है कि कमीशन दिए बिना फाइल आगे नहीं बढ़ाई जा रही है जिससे कई सेवानिवृत्त कर्मचारी महीनों से अपनी हक की राशि के लिए भटक रहे हैं पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्र (ईई) एसबी सिंह ने आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

रिश्वत मांगने वाला पटवारी रंगे हाथ गिरफ्तार

लोकायुक्त ने 5 हजार लेते पकड़ा, कुल 50 हजार की थी मांग

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। लोकायुक्त पुलिस ने जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है हल्का मिर्चीवार में पदस्थ पटवारी मुनेन्द्र सिंह भदौरिया को सोमवार सुबह 5 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम मिर्चीवार निवासी शिकायतकर्ता मुनेश्वर प्रसाद सोनी ने पटवारी मुनेन्द्र सिंह भदौरिया पर तीन अलग-अलग राजस्व मामलों, जिनमें वारिसाना भी शामिल था इसके लिए कुल 5 हजार की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था पटवारी पहले ही एक मामले के लिए 25 हजार ले चुका था और शेष दो मामलों के निपटारे के लिए लगातार पैसों की मांग



कर रहा था शिकायतकर्ता ने पटवारी की ओर से लगातार रिश्वत मांगे जाने से परेशान होकर लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी

शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त टीम ने गोपनीय जांच की जिसमें आरोप सही पाए गए इसके बाद कार्रवाई की योजना तैयार की गई

लोकायुक्त उप पुलिस अधीक्षक प्रवीण सिंह परिहार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। योजना के तहत, सुबह करीब 8 बजे



शिकायतकर्ता को सीधी शहर के जिला अस्पताल के पास स्थित पटवारी के आवास पर 5 हजार देने के लिए भेजा गया पटवारी की ओर से रिश्वत की

रकम लेते ही पहले से मौजूद लोकायुक्त टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथ पकड़ लिया कार्रवाई के उपरान्त, आरोपी पटवारी को हिरासत में ले लिया गया है।

एनएसयूआई का भाजपा कार्यालय घेराव, लाठी चार्ज और आंसू गैस का किया इस्तेमाल



मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में एनएसयूआई द्वारा भाजपा कार्यालय का घेराव किया गया। यह प्रदर्शन एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में किया गया जिसमें बड़ी संख्या में छात्र और युवा शामिल हुए प्रदर्शन की शुरुआत बैजू धर्मशाला से हुई जहां पंकज उपाध्याय ने सभी को संबोधित किया और केंद्र तथा राज्य सरकार की नीतियों और स्थानीय समस्याओं पर कड़ा विरोध जताया सभा के बाद कार्यकर्ता रैली के रूप में भाजपा कार्यालय

की ओर बढ़े प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया उन्होंने शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव और वैचारिक दबाव भारत-अमेरिका किसान विरोधी ट्रेड डील, आरएसएस की कथित गतिविधियों और किसी विशेष विचारधारा का प्रचार-प्रसार, एपस्टीन फाइल मामले की निष्पक्ष जांच जिले की बिगड़ती स्वास्थ्य, कानून-व्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, और पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई।

वांगचुक की रिहाई: लोकतंत्र में आंदोलनों की भूमिका का प्रश्न

आखिरकार गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम हटाने से जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई हो गई है। वांगचुक गत वर्ष सितंबर से जोधपुर जेल में बंद थे, जिसको लेकर विपक्षी राजनीतिक दल व विभिन्न सामाजिक संगठन तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते रहे हैं। अब सरकार की दलील है कि यह फैसला लड़ाख में शांति, स्थिरता और संवाद का माहौल बनाने के लिये लिया गया है। वहीं विपक्षी राजनीतिक दलों का कहना है कि 17 मार्च को

सुप्रीम कोर्ट में वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई होनी थी। गिरफ्तारी का आधार मजबूत न होने पर केंद्र सरकार को उन्हें रिहा करने को बाध्य होना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि रेमन मैसैसे पुरस्कार से सम्मानित जलवायु कार्यकर्ता, अभिनव शैक्षिक व वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए चर्चित सोनम वांगचुक को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत बीते साल सितंबर में गिरफ्तार किया गया था। दरअसल, वे लंबे समय से लड़ाख को राज्य का

दुर्जा देने और उसे सविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने वाले आंदोलन से जुड़े रहे। समाधान निकालने के लिये लड़ाख के अलग-अलग समुदायों, नेताओं और संगठनों से निरंतर बातचीत के प्रयास जारी हैं। साथ ही लड़ाख के लिये सभी जरूरी सुरक्षा उपाय करने की बात कही गई है। वहीं विपक्षी दल सवाल पूछ रहे हैं कि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत

गिरफ्तारी की तार्किकता क्या थी? क्या लोकतांत्रिक ढंग से अपनी बात कहने की आजादी का अतिक्रमण नहीं हो रहा है? नागरिक संगठनों से जुड़े लोगों ने वांगचुक को उनके उठे प्रदेश लड़ाख से 1400 किमी दूर गम प्रदेश राजस्थान की जोधपुर जेल में रखने पर भी सवाल उठाये थे। उल्लेखनीय है कि बीते माह शीर्ष अदालत ने भी सोनम वांगचुक की खगब सेहत के मद्देनजर, उनकी हिरासत पर पुनर्विचार करने को कहा था। दरअसल, बार-बार पेटदर्द

की शिकायत पर उनकी पत्नी ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से जांच करवाने के लिये आवेदन किया था। साथ ही कोर्ट से मासिक स्वास्थ्य रिपोर्ट की भी मांग की थी। तब शीर्ष अदालत की पीठ ने टिप्पणी की थी कि यदि हिरासत के आदेश में कानूनी त्रुटियां हैं तो इसे रद्द भी किया जा सकता है। वहीं सरकार की दलील थी कि आंदोलन को हिंसक बनाने में भूमिका के चलते राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम लागू करने के पर्याप्त कारण मौजूद थे।

कठपुतली कला से लोगों को जागरूक कर रहे हैं सुनील सरला

कुमार कृष्णन

कभी मनोरंजन का सशक्त माध्यम रही कठपुतलियां जागरूकता का काम भी कर रही हैं। कठपुतलियों के जरिए सामाजिक मुद्दों को रोचक तरीके से भी उठया जा रहा है। वहीं, कठपुतलियां सुशिक्षित और स्वस्थ समाज का भी बुलंद संदेश दे रही हैं। इतिहास में दर्ज नामों की प्रेक कहानियों को कठपुतलियों के जरिए जन-जन तक पहुंचाने के भी प्रयास हो रहे हैं। 21 मार्च को विश्व कठपुतली दिवस मनाया जाता है। कठपुतलियों के खेलने में से लेकर गांव-मोहल्लों में अक्सर देखने को मिलते थे, जो बेहद मनोरंजक हुआ करते थे। लेकिन पहले टीवी और फिर इंटरनेट युग ने समय के साथ इन कठपुतलियों को बच्चों से दूर कर दिया। संस्कृति की खो से बंधी कठपुतली कला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि परंपराओं और लोककथाओं की एक जीवंत कहानी है। यह कला हमें अतीत से जोड़ती है और समाज को शिक्षाप्रद संदेश भी देती है। कठपुतली के इतिहास के बारे में कहा जाता है कि ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में महाकवि पाणिनी के अष्टाध्याई ग्रंथ में पुतला नाटक का उल्लेख मिलता है। साथ ही सिंहासन बत्तीभी नामक कथा में भी 32 पुतलियों का उल्लेख है। पुतली कला की प्राचीनता के संबंध में तमिल ग्रंथ 'शिल्पादिकार' से भी जानकारी मिलती है।

पुतली कला कई कलाओं जैसे लेखन, नाट्य कला, चित्रकला, वेशभूषा, मूर्तिकला, काष्ठकला, वस्त्र-निर्माण कला, रूप-सज्जा, संगीत, नृत्य आदि का मिश्रण है। अब कठपुतली का उपयोग मात्र मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि शिक्षा कार्यक्रमों, रिसर्च कार्यक्रमों, विज्ञानों आदि अनेक क्षेत्रों में किया जा रहा है। साथ ही साथ यह बच्चों के व्यक्तित्व के बहुमुखी विकास में सहायक होता है। बता दें कि, भारत में सभी प्रकार की पुतलियां पाई जाती हैं, जैसे धागा पुतली, छाया पुतली, छड़ पुतली, दस्ताना पुतली आदि।

कठपुतली कला को चंद कलाकार अब भी जीवंत बनाए हुए हैं, जन्मे से एक है बिहार के मुजफ्फरपुर के सुनील सरला। कठपुतली से शिक्षा एवं सामाजिक जागरूकता करते सुनील बच्चों के साथ साथ देश समाज में बो रहे हैं कला का संस्कार। कठपुतली जब जल जीवन हरियाली की बात करे तो शहरी लोगों के साथ साथ ग्रामीण लोग भी पर्यावरण जैसे गंभीर विषय को सरल व सहजतापूर्वक समझ जाते हैं। गीतों संगीत कहानियों के माध्यम से कठपुतली सामाजिक विज्ञान, समाज सुधार अभियान को लेकर शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से देश समाज में जागरूक करने वाले सरला श्रीवास सामाजिक सांस्कृतिक शोध संस्थान के संयोजक लोक कलाकार सुनील कुमार मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी प्रखंड मालीघाट निवासी कठपुतली कला का प्रशिक्षण देते हैं। हुमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया (एचपीपीआई) किलकारी, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय तरियानी (शिवहर) बंजरिया (पूर्वी चंपारण) चनपटिया (पश्चिम चंपारण) थूम्मा (रुन्नी सैदपुर) सीतामढ़ी, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) रामबाग, मुजफ्फरपुर, विक्रम (पटना) छत्तीनी (मोतिहारी) पूर्वी चंपारण, पिरोता, भोजपुर जिला के साथ साथ अन्य राज्यों में कठपुतली कला प्रशिक्षण देने वाले सुनील कुमार की पहचान कठपुतली कलाकार के साथ साथ कठपुतली प्रशिक्षक की भी है। कठपुतली को नवाचार का माध्यम बनाने वाले सुनील कुमार कठपुतली के माध्यम से देश समाज में हिंसा समाप्त करने, बाल विवाह, बाल श्रम, नशापान जैसे सामाजिक बुराइयों को के खिलाफ कठपुतली संवाद के माध्यम से जागरूक करते रहते हैं। पीपुल, नीम, तुलसी जैसे पौराणिक पौधों को लेकर पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार संवाद करने वाले सुनील कुमार कठपुतली कला का प्रशिक्षण सी जी नेट के सहयोग से सर्वप्रथम सालकसा (गोंदिया) महाराष्ट्र में प्राप्त की। पेटेंट जनीलिज्म के माध्यम से भारत देश के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जाकर लोगों को वैकल्पिक माध्यम के प्रयोग का प्रशिक्षण देने का कार्य किया।



टॉय ट्रेन में मीडिया मित्रों के संग प्रकृति से आत्मीय संवाद – घुमावदार पहाड़ों, हरियाली और चाय की खुशबू में बसती प्रकृति की अद्भुत व अलबेली दुनिया का आनंद दक्षिण भारत की धरती अपने भीतर प्रकृति की ऐसी अनुपम छवियाँ समेटे हुए है, जिन्हें देखकर मन अनायास ही विस्मय और श्रद्धा से भर उठता है। यहाँ के पर्वत, हरियाली, झरने और शांत वातावरण प्रकृति के उस दिव्य रूप का परिचय देते हैं, जो मनुष्य को जीवन की भागदौड़ से कुछ क्षणों के लिए दूर ले जाकर आत्मिक शांति का अनुभव कराते हैं। तमिलनाडु का औद्योगिक नगर कोयंबटूर और उससे लगभग 85 किलोमीटर दूर स्थित पर्वतीय पर्यटन नगरी ऊटी की यात्रा इसी प्राकृतिक वैभव का अद्भुत अनुभव कराती है। यह यात्रा केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने का साधारण मार्ग नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ आत्मीय संवाद का ऐसा अवसर है, जो स्मृतियों में लंबे समय तक जीवित रहता है।



कोयंबटूर से ऊटी की यादगार यात्रा

बिनोद कुमार सिंह

विगत दिनों हमें दिल्ली की भागदौड़ भरी जीवन-शैली से कुछ समय के लिए अलग दक्षिण भारत की यात्रा का अवसर मिला। मीडिया मित्रों के साथ यह यात्रा किसी सामान्य पर्यटन कार्यक्रम से कहीं अधिक थी। यह मानो प्रकृति की गोद में बिताए गए उन अनमोल क्षणों का अनुभव था, जो जीवन की व्यस्तता के बीच मन को नई ऊर्जा और शांति प्रदान करते हैं। कोयंबटूर से ऊटी की ओर बढ़ते ही धरती का स्वरूप धीरे-धीरे बदलने लगता है। मैदानी इलाकों की गर्म हवा शीतल पर्वतीय बयार में परिवर्तित हो जाती है। सीधी और सपाट सड़कों की जगह घुमावदार घाटियाँ दिखाई देने लगती हैं और शहरी कोलाहल की जगह चारों ओर फैली हरियाली यात्रियों का स्वागत करती प्रतीत होती है। यह मार्ग नीलगिरि पर्वतमाला की गोद से होकर गुजरता है। 'नीलगिरि' का अर्थ ही है- नीले पर्वत। दूर से देखने पर इन पहाड़ों की हरियाली और नीले आकाश का अद्भुत संगम इन्हें एक विशिष्ट सौंदर्य प्रदान करता है। जैसे-जैसे हमारी कारों का काफिला ऊँचाई की ओर बढ़ रहा था, सड़कें संपर्क की भाँति घुमावदार होती जा रही थीं। कुछ दूरी पर तीखे मोड़ आते हैं, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'हेयरपिन बेंड' कहा जाता है। इन मोड़ों से नीचे झाँकती घाटियाँ और दूर तक फैले पर्वत यात्रियों के मन में रोमांच भर देते हैं।

कभी बादलों की हल्की परतें घाटियों में तैरती दिखाई देती हैं तो कभी सूर्य की किरणें पर्वतों की ढलानों को सुनहरी आभा से भर देती हैं। रास्ते भर फैले चाय के बागान इस यात्रा को और भी मनोहारी बना देते हैं। पर्वतों की ढलानों पर कतारों में सजे चाय के पीथे मानो किसी कलाकार की सजीव चित्रकला प्रतीत होते हैं। दूर-दूर तक फैली हरियाली और उसके बीच काम करती महिला मजदूरों की छवियाँ इस दृश्य को और भी जीवंत बना देती हैं। सिर पर टोकरी, हाथों में चाय की सहेज मुस्कान-यह सब मिलकर प्रकृति और श्रम के सुंदर समन्वय का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है। यह क्षेत्र भारत के प्रमुख चाय उत्पादन क्षेत्रों में गिना जाता है और नीलगिरि की चाय विश्व भर में अपनी सुगंध और स्वाद के लिए प्रसिद्ध है। हमारी इस यात्रा का सबसे स्मरणीय और रोमांचक अनुभव तब मिला जब मीडिया मित्रों के साथ प्रसिद्ध नीलगिरि माउंटन रेलवे की टॉय ट्रेन में बैठकर इस अवसर प्राप्त हुआ। यह छोटी-सी पर्वतीय रेलगाड़ी मानो प्रकृति की गोद में धीरे-धीरे सरकती हुई आगे बढ़ती है। पटरियों के दोनों ओर फैली हरियाली, छोटी-छोटी सुरंगें, गहरी घाटियाँ और दूर तक फैले चाय के बागान-इन सबके बीच



यह रेल यात्रा किसी चलचित्र की तरह आँखों के सामने खुलती चली जाती है। जब ट्रेन किसी मोड़ से गुजरती है तो पूरी रेलगाड़ी का दृश्य सामने दिखाई देने लगता है। ऐसा लगता है मानो पहाड़ों की गोद में कोई रंगीन रेखा धीरे-धीरे आगे बढ़ रही हो। कभी ट्रेन सुरंग में प्रवेश करती है तो कुछ क्षणों के लिए अंधकार छा जाता है। जैसे ही बाहर निकलती है, सामने हरियाली से भरा दृश्य यात्रियों का स्वागत करता है।

टॉय ट्रेन की इस यात्रा को और भी रोचक बना दिया हमारे मीडिया साथियों ने। किसी ने गीत की पंक्ति छेड़ी तो किसी ने उसे आगे बढ़ाया और देखते ही देखते पूरे डब्बे में अंताक्षरी का दौर शुरू हो गया। पहाड़ों के बीच गीतों की मधुर धुन गुंजने लगी। प्रकृति की शांति और मित्रों की हँसी-ठिठोली के बीच यह यात्रा सचमुच अविस्मरणीय बन गई। इस यात्रा में वरिष्ठ पत्रकार सुजीत ठाकुर के साथ मीडिया जगत की सक्रिय सहयोगीलाइमा आशिफ, (समुह संपादिका) शिवानी शर्मा, भानवा गुप्ता, सपना, आकाश त्रिवेदी, अभिषेक, समीर, सुरेंद्र पंडित और रिजुज तिवारी सहित अनेक मीडिया मित्र उपस्थित थे। रास्ते भर संवाद, हास्य परिहास और गीतों का यह वातावरण यात्रा को और भी जीवंत बना रहा था। विशेष वरिष्ठ मीडिया मित्र सुजीत ठाकुर व रिजुज तिवारी ने ऐसा समा बंधा कि हम सुर-संगीत की महफिल में पहुंचे हो। इस अवसर पर आयोजन से जुड़े कुछ सरकारी अधिकारी तथा अन्य आमंत्रित अधिकारी जो अतिथि भी हमारे साथ थे, जिनकी उपस्थिति ने इस यात्रा को एक सामूहिक अनुभव का रूप दे दिया। रास्ते में पहाड़ों से उतरते छोटे-छोटे झरने यात्रियों का स्वागत करते दिखाई देते हैं। कहीं कहीं चट्टानों के बीच से पतली जलधारा गिरती है तो कहीं हरियाली के बीच से फूटते झरने मधुर

संगीत की तरह सुनाई देते हैं। प्रकृति का यह स्वाभाविक संगीत मन को एक अनुभूति शांति प्रदान करता है। बरसात के मौसम में इन झरनों की संख्या और भी बढ़ जाती है और पूरा क्षेत्र जलधारा और हरियाली का उत्सव बन जाता है। संंध्या होते-होते हम ऊटी पहुंचे और वहीं रात्रि विश्राम का अवसर मिला। पहाड़ों की ठंडी हवा, चारों ओर फैली शांति और दूर-दूर तक पसरी हरियाली ने वातावरण को अत्यंत सुकूनभरा बना दिया। शहर की भागदौड़ से दूर यह शांत रात्रि मानो प्रकृति की गोद में विश्राम करने जैसा अनुभव दे रही थी।

अगली सुबह का दृश्य तो और भी अद्भुत था। प्रातःकाल जब भुवन-भास्कर सूर्यदेव की पहली किरणें पर्वतों की चोटियों पर पड़ीं, तो वह दृश्य सचमुच दिव्य और अलौकिक प्रतीत हुआ। पहाड़ों के पीछे से धीरे-धीरे उगता सूर्य, धुंध की हल्की परतों के बीच फैलती सुनहरी रोशनी और उस प्रकाश में चमकती हरियाली - यह दृश्य मन को एक आध्यात्मिक शांति से भर देता है। ऐसा लगता है मानो स्वयं प्रकृति ने अपने आंचल से दिन का स्वागत किया हो। ऊटी का प्राकृतिक सौंदर्य वास्तव में अद्वितीय है। यहाँ की झीले, उद्यान और पर्वतीय दृश्य पर्यटकों को बार-बार मनाने और आकर्षित करते हैं। ऊटी झील के शांत जल में तैरती नौकाएँ और उसके चारों ओर फैली हरियाली मन को बंधा कि हम सुर-संगीत की महफिल में पहुंचे हो। इस अवसर पर आयोजन से जुड़े कुछ सरकारी अधिकारी तथा अन्य आमंत्रित अधिकारी जो अतिथि भी हमारे साथ थे, जिनकी उपस्थिति ने इस यात्रा को एक सामूहिक अनुभव का रूप दे दिया। रास्ते में पहाड़ों से उतरते छोटे-छोटे झरने यात्रियों का स्वागत करते दिखाई देते हैं। कहीं कहीं चट्टानों के बीच से पतली जलधारा गिरती है तो कहीं हरियाली के बीच से फूटते झरने मधुर

हिरण और अन्य वन्यजीव भी निवास करते हैं। कोयंबटूर से ऊटी तक की यह यात्रा प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ सांस्कृतिक विविधता का भी परिचय कराती है। रास्ते में स्थानीय जनजातीय समुदायों की झलक भी देखने को मिलती है, जिनकी जीवन शैली प्रकृति के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। उनके पारंपरिक घर, पहनावा और जीवन-दृष्टि इस क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध बनाते हैं। दरअसल, कोयंबटूर से ऊटी तक की यह यात्रा हमें प्रकृति के उस सौंदर्य से रूबरू कराती है, जिसे शब्दों में पूरी तरह बाँध पाना संभव नहीं। घुमावदार सड़कों से गुजरते हुए जब पहाड़ों की ठंडी हवा चेहरे को छूती है, जब चाय के बागानों की हरियाली आँखों को सुकून देती है और जब झरनों की कल-कल ध्वनि कानों में मधुर संगीत की तरह गुंजती है, तब लगता है कि मानव और प्रकृति के बीच का यह संबंध कितना गहरा और आत्मीय है। अंततः कहा जा सकता है कि कोयंबटूर से ऊटी तक की यह यात्रा केवल पर्यटन नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ एक आत्मिक अनुभव है। नीलगिरि की हरियाली, पहाड़ों की घुमावदार राहें, हरे चाय बागानों की सुगंध, झरनों का मधुर संगीत, टॉय ट्रेन की धीमी यात्रा और मीडिया मित्रों के साथ बीते हुए जमाने के मधुर गीतों की अंताक्षरी-ये सब मिलकर इस यात्रा को अविस्मरणीय बना दी। मैं स्पष्ट कर दूँ कि जो भी यात्रा करे यात्रा से होकर ऊटी पहुँचता है, उसके मन में प्रकृति के स्मृतियाँ लंबे समय तक जीवित रहती हैं। ऐसा लगता है, मानो प्रकृति ने स्वयं अपनी गोद में बैठकर उसे कुछ स्वर्णिम और अनमोल क्षण उपहार में दे दिए हों।

(स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सीईसी पर महाभियोग का नोटिस: बहुमत से नहीं, 'नैरेटिव की राजनीति' से लड़ाई

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। ऐसे में जब मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का नोटिस दिया जाता है, तो वह केवल एक संवैधानिक प्रक्रिया नहीं रह जाता, बल्कि उसके राजनीतिक मायने भी गहरे हो जाते हैं। हाल ही में विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए संसद के दोनों सदनों में नोटिस दिया है। इस नोटिस पर लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों के हस्ताक्षर हैं, यानी कुल 193 सांसदों ने इसे समर्थन दिया है। यह संख्या नोटिस देने के लिए जरूरी न्यूनतम संख्या से अधिक है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसके बावजूद इस प्रस्ताव का संसद में पारित होना लगभग असंभव है।

कालिताल मांडोत

यही कारण है कि इस पूरे घटनाक्रम को केवल संवैधानिक प्रक्रिया के रूप में नहीं बल्कि राजनीतिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। विपक्षी दलों का यह कदम ऐसे समय आया है जब देश में जल्द ही पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा होने वाली है। चुनाव से ठीक पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस तरह का कदम उठाना यह संकेत देता है कि विपक्ष चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर एक राजनीतिक नैरेटिव तैयार करना चाहता है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324(5) में तय की गई है। इसके अनुसार उन्हें हटाने के लिए वही प्रक्रिया अपनाई जाती है जो सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश को हटाने के लिए अपनाई जाती है। इसका अर्थ है कि संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित होना आवश्यक है। विशेष बहुमत का मतलब है कि सदन की कुल सदस्य संख्या का बहुमत और उपस्थित तथा मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत का समर्थन। वर्तमान राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए विपक्ष के पास इतनी संख्या नहीं है कि वह इस प्रस्ताव को पारित करा सके। यही कारण है कि कई राजनीतिक पर्यवेक्षक मानते हैं कि यह प्रस्ताव वास्तव में सत्ता परिवर्तन की कोशिश से अधिक राजनीतिक संदेश देने की



रणनीति का हिस्सा है। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग की कुछ प्रक्रियाएँ, खासकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े निर्णय, बड़े पैमाने पर मतदाताओं को मताधिकार से वंचित कर सकते हैं और इससे सत्ताबद्ध दल को लाभ मिल सकता है। इसी आधार पर विपक्ष ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए महाभियोग का रास्ता चुना है। हालाँकि यह भी सच है कि इस तरह का प्रस्ताव भारतीय इतिहास में पहली बार सामने आया है। इससे पहले किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए संसद में इस स्तर का औपचारिक प्रयास नहीं हुआ था। इसलिए यह कदम अपने आप में एक बड़ा राजनीतिक संकेत

भी है। विपक्ष यह संदेश देना चाहता है कि वह चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर है और यदि उसे लगता है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है तो वह उसे संसद में चुनौती देने से पीछे नहीं हटेगा। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो इस कदम का सीधा फायदा विपक्ष को तुरंत मिलना मुश्किल है। संसद में बहुमत के अभाव के कारण यह प्रस्ताव संभवतः आगे नहीं बढ़ पाएगा। लोकसभा में अंतिम निर्णय स्वीकार आम बिरला के पास है, जबकि राज्यसभा में यह अधिकार सभापति के पास होता है। यदि वे नोटिस स्वीकार भी कर लेते हैं तो अन्तला चरण जांच समिति का होगा। समिति की रिपोर्ट और उसके बाद संसद में मतदान की

प्रक्रिया इतनी जटिल और लंबी है कि उसका परिणाम निकट भविष्य में निकलना मुश्किल है। इसके बावजूद विपक्ष के लिए यह कदम पूरी तरह बेकार भी नहीं है। राजनीति में कई बार किसी मुद्दे को उठाने का उद्देश्य तत्काल परिणाम प्राप्त करना नहीं बल्कि सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित करना होता है। विपक्ष शायद यही चाहता है कि चुनाव से पहले चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर बहस छिड़े और मतदाताओं के बीच यह संदेश जाए कि चुनावी प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

विशेष रूप से उन राज्यों में जहाँ जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, वहाँ यह मुद्दा राजनीतिक बहस का हिस्सा बन सकता है। पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी जैसे राज्यों में विपक्ष यह तर्क दे सकता है कि चुनाव आयोग की कुछ नीतियाँ मतदाता सूची या चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। इससे विपक्ष को अपने समर्थकों को संगठित करने और राजनीतिक माहौल बनाने का अवसर मिल सकता है। इसके अलावा यह कदम विपक्षी एकता का भी प्रतीक बन सकता है। इस नोटिस पर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और आम आदमी पार्टी सहित कई दलों के सांसदों के हस्ताक्षर हैं। यह दर्शाता है कि विभिन्न विचारधाराओं के दल एक साझा मुद्दे पर एक साथ खड़े हो सकते हैं। भारतीय राजनीति में जहाँ विपक्ष अक्सर बिखरा हुआ दिखाई देता है, वहीं इस तरह की संयुक्त कार्रवाई राजनीतिक रूप

से महत्वपूर्ण मानी जाती है।

फिर भी यह सवाल बना रहेगा कि क्या केवल नैरेटिव बनाने से चुनावी परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। भारतीय मतदाता अक्सर स्थानीय मुद्दों, नेतृत्व और सरकार के कामकाज को अधिक महत्व देते हैं। इसलिए यह जरूरी नहीं कि चुनाव आयोग को लेकर उठया गया विवाद सीधे चुनावी परिणामों को प्रभावित कर दे।

लेकिन राजनीति केवल परिणामों की गणना नहीं होती, बल्कि धारणा की भी होती है। विपक्ष शायद यही समझता है कि यदि वह चुनाव से पहले लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता का मुद्दा लगातार उठाता है, तो वह कम से कम राजनीतिक बहस की दिशा बदल सकता है। यही कारण है कि संख्या बल की कमी के बावजूद इस तरह का संवैधानिक कदम उठया गया है। अंततः यह घटनाक्रम भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण भी है। इससे यह स्पष्ट होता है कि संवैधानिक संस्थाओं को लेकर राजनीतिक दल कितने संवेदनशील हैं और वे उन्हें लेकर संसद में किस हद तक जाने को तैयार हैं। चाहे यह प्रस्ताव आगे बढ़े या नहीं, लेकिन इसने एक बड़ी बहस जरूर शुरू कर दी है कि चुनावी संस्थाओं की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर राजनीतिक दलों को अपेक्षाएँ क्या हैं और लोकतंत्र में उनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। (वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जिला अस्पताल मनेंद्रगढ़ में एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

4 बालिकाओं को टीका लगाकर हुई शुरुआत, सर्वाइकल कैंसर से बचाव को लेकर दी गई जागरूकता

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिला प्रशासन मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर तथा लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिला चिकित्सालय एचपीवी वैक्सीन टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम की शुरुआत 4 बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाकर की गई तथा उन्हें टीकाकरण प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नगर पालिका निगम महापौर राम नरेश राय ने अभियान का शुभारंभ किया यह कार्यक्रम कलेक्टर जिला एमसीबी तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित किया



गया कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने कहा कि एचपीवी वैक्सीन महिलाओं में होने वाले से बचाव का प्रभावी

और सुरक्षित माध्यम है उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक है लेकिन समय पर टीकाकरण से इस गंभीर बीमारी से काफी हद तक



बचाव संभव है उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बालिकाओं को निर्धारित आयु में यह टीका अवश्य लगवाएं और इस जनस्वास्थ्य अभियान को

सफल बनाने में सहयोग कर चरणबद्ध तरीके से लगाया जाएगा टीका जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. विनीत विश्वकर्मा ने एचपीवी वैक्सीन की उपयोगिता के बारे में

जानकारी देते हुए बताया कि एचपीवी वायरस से होने वाला संक्रमण आगे चलकर सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण बनता है स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित आयु वर्ग की बालिकाओं को यह टीका चरणबद्ध तरीके से लगाया जाएगा तथा जिले में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा इस अवसर पर सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजेन्द्र राय ने भी इस स्वास्थ्य अभियान को सफल बनाने की अपील की कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर राम नरेश राय ने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए एचपीवी टीकाकरण एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है।

बीमार महिला से धोखे से 12 विश्वा जमीन की रजिस्ट्री अशिक्षित होने का फायदा



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में एक बीमार और अशिक्षित महिला से जमीन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है आरोप है कि ढाई विश्वा जमीन बेचने के नाम पर उससे करीब 12 विश्वा जमीन हड़प ली गई पीड़िता ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है कोलारस क्षेत्र के ग्राम नेतवास निवासी 30 वर्षीय रेवती जाटव ने बताया कि वह अशिक्षित है और अंगूठा लगाती है लंबे समय से बीमारी होने के कारण उन्हें इलाज के लिए पैसे की आवश्यकता थी इसी वजह से उन्होंने ग्राम चिटोरा स्थित अपनी कृषि भूमि सर्वे नंबर 438 में से लगभग 0.01428

हेक्टेयर (करीब ढाई विश्वा) जमीन 83 हजार रुपए में बेचने का सौदा किया था महिला का आरोप है कि कामता प्रसाद जाटव ने रजिस्ट्री के समय उन्हें केवल 50 हजार रुपए दिए और शेष 33 हजार रुपए अगले दिन देने का वादा किया इसके बाद 14 मार्च को जमीन की रजिस्ट्री करवा ली गई रेवती जाटव के अनुसार, रजिस्ट्री के दौरान कामता प्रसाद के साथ मौजूद एक महिला, मिस्सो रावत, को गवाह बताया गया था। बाद में उन्हें पता चला कि उसी महिला मिस्सो रावत के नाम पर उनकी दूसरी जमीन सर्वे नंबर 241 में से 0.0975 हेक्टेयर (लगभग 12 विश्वा) जमीन की भी रजिस्ट्री करवा ली गई है।

जागरूक उपभोक्ता ही सशक्त समाज की पहचान



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। 15 मार्च को विश्वभर में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है यह दिवस उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने और उपभोक्ताओं को शोषण से बचाने के उद्देश्य से मनाया जाता है आज के दौर में, जब बाजार का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और वैश्वीकरण तथा डिजिटल तकनीक के कारण खरीद-बिक्री के तरीके नए रूप ले रहे हैं ऐसे में उपभोक्ता अधिकारों की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक हो गया विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाते की प्रेरणा 15 मार्च 1962 को अमेरिका के

तत्कालीन राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी द्वारा अमेरिकी संसद में दिए गए ऐतिहासिक भाषण से मिली इस भाषण में उन्होंने पहली बार उपभोक्ताओं के चार मूलभूत अधिकारों का उल्लेख किया था

1. सुरक्षा का अधिकार
2. जानकारी पाने का अधिकार
3. विकल्प का अधिकार
4. सुने जाने का अधिकार

बाद में इन सिद्धांतों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किया गया और वर्ष 1983 से 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण बाजार वाले देश में

उपभोक्ता अधिकारों का महत्व और भी अधिक है यहाँ करोड़ों लोग प्रतिदिन विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं का उपयोग करते हैं, इसलिए उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कानून और संस्थागत व्यवस्था आवश्यक है उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए भारत सरकार ने 2019 लागू किया जिसने पुराने 1986 का स्थान यह कानून उपभोक्ताओं को भ्रामक विज्ञापनों, घटिया या दोषपूर्ण उत्पादों, सेवा में लापरवाही, अधिक मूल्य वसूली और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं से सुरक्षा प्रदान करता है इस कानून के तहत जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ता आयोगों की स्थापना की गई है जहाँ उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर न्याय प्राप्त कर सकते हैं इसके अलावा उपभोक्ता मामलों के लिए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) जैसी संस्थाएं भी कार्यरत हैं जो बाजार में अनुचित व्यापारिक गतिविधियों पर निगरानी रखती हैं।

दोस्त ने डंडे से पीटकर युवक की हत्या, शराब पी तो मोबाइल के लिए हुआ झगड़ा

मीडिया ऑडिटर, ग्वालियर (निप्र)। मोहना थाना क्षेत्र में शराब पीने के बाद मोबाइल के लिए हुए विवाद में एक युवक ने अपने ही दोस्त को डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी घटना रविवार शाम करीब 6 बजे मोहना बायपास स्थित अजीत नायक भोजनालय के सामने हुई वारदात के बाद आरोपी जंगल की ओर भाग गया सूचना मिलते ही मोहना थाना पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी पुलिस ने शव को निगरानी में लेकर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है मृतक के शव को ग्वालियर के डेड हाउस में रखवाया गया है परिजनों की सूचना दे दी गई है और सोमवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस के अनुसार मुरैना के आमपुरा स्थित एसएफ लाइन के पास रहने वाला 35 वर्षीय ऋषि सिंह पुत्र दिनेश सिंह सिकरवार को आरोपी की तलाश में था शनिवार को उसका दोस्त दीपक शाक्य उसे काम दिलाने के लिए ग्वालियर के

मोहना क्षेत्र में लेकर आया था भोजनालय पर दोनों ने शराब पी नशे की हालत में दीपक द्वारा मोबाइल छीन लेने पर उनके बीच बहस शुरू हो गई ढाबा संचालक ने उन्हें कई बार समझाने का प्रयास किया लेकिन दोनों के बीच विवाद बढ़ता गया कुछ ही देर में बहस मारपीट में बदल गई विवाद के दौरान दीपक शाक्य ने पास पड़ा बबूल का डंडा उठाकर ऋषि सिंह के सिर पर कई वार कर दिए गंभीर चोट लगने से ऋषि सड़क पर गिर पड़ा घटना के बाद दीपक शाक्य मौके से जंगल की ओर भाग गया आसपास मौजूद लोगों ने ऋषि को चुकी थी इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई एचपीवी टीकाकरण शैलेन्द्र शर्मा के अनुसार घटना के बाद थाना प्रभारी राशिद खान और एसआई देवेन्द्र सिंह तोमर के नेतृत्व में दो पुलिस टीमें आरोपी की तलाश में लगाई गई हैं पुलिस ने आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश भी दी।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस:स्वस्थ समाज की मजबूत नींव

बच्चों और माताओं को घातक बीमारियों से बचाने में अहम भूमिका

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी और विश्वसनीय उपायों में से एक माना जाता है यही कारण है कि भारत में हर वर्ष 16 मार्च को राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को टीकाकरण के महत्व के प्रति जागरूक करना और संक्रामक रोगों से बचाव के लिए टीकों के उपयोग को बढ़ावा देना है आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि ने विश्वभर में करोड़ों लोगों की जान बचाई है और कई घातक बीमारियों के प्रभाव को कम करने में बड़ी भूमिका निभाई है पोलियो मुक्त भारत - सामूहिक प्रयासों की बड़ी उपलब्धि भारत में राष्ट्रीय



टीकाकरण दिवस की शुरुआत वर्ष 1995 में पल्स पोलियो अभियान के साथ हुई थी इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचना था, जो बच्चों में स्थायी विकलांगता का कारण बन सकती थी स्वास्थ्य विभाग, स्वयंसेवी संस्थाओं और समाज के व्यापक सहयोग से चलाए गए इस अभियान ने ऐतिहासिक सफलता हासिल की और भारत को वर्ष 2014 में पोलियो मुक्त

देश घोषित किया गया। यह उपलब्धि देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। टीकाकरण बच्चों और गर्भवती महिलाओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है और उन्हें कई खतरनाक बीमारियों से बचाता है समय पर लगाए जाने वाले टीके खसरा, डिप्थीरिया, काली खांसी, टिटेनेस, और हेपेटाइटिस-बी जैसी बीमारियों से प्रभावी सुरक्षा प्रदान करते हैं।

तरुण खटीक हत्याकांड के विरोध में समाज ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। दिल्ली के उत्तम नगर में तरुण खटीक की हत्या के विरोध में सोमवार को शिवपुरी में खटीक समाज और सर्व हिंदू समाज ने प्रदर्शन किया समाज के लोगों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जिसमें आरोपियों को फांसी की सजा और मृतक के परिजनों को सरकारी नौकरी व सुरक्षा देने की मांग की गई यह घटना दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दौरान हुई थी जहां 26 वर्षीय तरुण खटीक की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस घटना से खटीक समाज और सर्व हिंदू समाज में गहरा

आक्रोश है प्रदर्शनकारी पहले पुराने बस स्टैंड पर एकत्रित हुए। वहां से एक रैली निकालते हुए वे कलेक्ट्रेट पहुंचे इस दौरान उन्होंने दौधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की ज्ञापन में मुख्य रूप से आरोपियों को फांसी की सजा देने साथ ही मृतक के परिजनों को सरकारी नौकरी और सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की गई खटीक समाज की ओर से महेंद्र खटीक ने इस घटना को 'बेहद दुखद और निंदनीय' बताया उन्होंने कहा कि दौधियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए।

महतारी वंदन योजना से बदली जिंदगी, सिलाई मशीन बनीं, गांव की महिलाओं के लिए बनी प्रेरणा

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है इस योजना के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता से अनेक महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं इसी कड़ी में जिला के ग्राम कुदरा की निवासी सूर्यकली बैगा की कहानी एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई है।

बचत से खरीदी सिलाई मशीन: सूर्यकली बैगा को महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त होती है उन्होंने इस राशि को नियमित रूप से बचत के रूप में जमा करना शुरू किया कुछ समय बाद अपनी बचत में थोड़ी और राशि जोड़कर उन्होंने एक सिलाई मशीन खरीदी और यहीं से उनके आत्मनिर्भर बनने



की शुरुआत हुई।

घर से शुरू किया सिलाई का काम: सिलाई मशीन मिलने के बाद सूर्यकली बैगा ने अपने घर से ही कपड़े सिलने का काम शुरू किया शुरुआत में वे गांव के लोगों के छोटे-मोटे कपड़े सिलती थीं लेकिन धीरे-धीरे उनके काम की गुणवत्ता और मेहनत की चर्चा आसपास के गांवों तक पहुंचने लगी आज स्थिति यह है कि गांव और आसपास के लोग नियमित रूप से उनसे कपड़े सिलवाने आने लगे हैं इससे उन्हें अतिरिक्त आय होने लगी है और वे अपने

परिवार की आर्थिक जरूरतों में भी सहयोग कर पा रही हैं।

बढ़ा आत्मविश्वास, बदली जिंदगी: सूर्यकली बैगा बताती हैं कि पहले उनका जीवन केवल घरेलू कामकाज तक ही सीमित था, लेकिन अब वे अपने हुनर के माध्यम से परिवार की आय बढ़ाने में योगदान दे रही हैं इससे उनके आत्मविश्वास में भी काफी वृद्धि हुई है और वे स्वयं को अधिक सक्षम महसूस करती हैं उन्होंने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त

करते हुए कहा कि सरकार की यह योजना महिलाओं के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है।

अन्य महिलाओं के लिए बनी प्रेरणा: ग्रामवासियों का कहना है कि सूर्यकली बैगा की मेहनत और लगन गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन रही है उनकी सफलता देखकर कई महिलाएं भी छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए आगे आ रही हैं दरअसल, महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है बल्कि यह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और समाज में अपनी अलग पहचान बनाने का अवसर भी प्रदान कर रही है सूर्यकली बैगा की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि यदि महिलाओं को अवसर और प्रोत्साहन मिले तो वे अपने प्रयासों से जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं और समाज के लिए प्रेरणा बन सकती हैं।

बादलों से थमी गर्मी की रफ्तार..चार दिनों में 4.6 डिग्री की गिरावट

मीडिया ऑडिटर, ग्वालियर (निप्र)। अंचल में पिछले 4 दिनों से छाप बादलों के कारण मार्च में बड़ रही गर्मी की रफ्तार थम गई है मौसम में आए बदलाव से दिन के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है पिछले चार दिनों में अधिकतम तापमान में करीब 4.6 डिग्री सेल्सियस की कमी आई है जिससे लोगों को तेज गर्मी से राहत मिली है मौसम विभाग के अनुसार सोमवार सुबह न्यूनतम तापमान 17.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो पहले 20 डिग्री के आसपास था वहीं रविवार को शहर का अधिकतम तापमान 32.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से करीब 0.7 डिग्री अधिक रहा इससे पहले अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया था चार दिनों में तापमान 37.2 से घटकर 32.6 डिग्री मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार कुछ दिन

पहले अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था जो सामान्य से 5.3 डिग्री अधिक था बादलों की आवाजाही और पश्चिमी विक्षोभ के असर से तापमान घटकर 32.6 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है सुबह 6:30 प्रतिशत आर्द्रता दर्ज की गई, जो सामान्य से करीब 4 प्रतिशत अधिक है वहीं शाम के समय आर्द्रता 44 प्रतिशत रही, जो सामान्य से लगभग 10 प्रतिशत ज्यादा दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अंचल की ओर नमी आ रही है, जिसके कारण अगले 24 घंटे तक आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में 40 से 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी आंधी चलने की भी आशंका जताई गई है मौसम विभाग के अनुसार 17 मार्च को एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है।

एलपिजी की किल्लत...एजेंसियों में लंबी लाइनें लगी: 1500 देकर ब्लैक में खरीद रहे सिलेंडर, लकड़ी-कोयले की बढ़ी डिमांड

मीडिया ऑडिटर, छत्तीसगढ़ (निप्र)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर अब भारत में भी देखने को मिल रहा है छत्तीसगढ़ समेत देश के कई हिस्सों में गैस सिलेंडर की कमी महसूस की जा रही है गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की लंबी कतारें लग रही हैं और कई जगहों पर सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं बिलासपुर, रायगढ़ सहित कई जिलों में सुबह से ही गैस एजेंसियों और गोदामों के बाहर उपभोक्ताओं की भीड़ जुट रही



है लोग तेज धूप में घंटों खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई बंद होने से अब होटल-ढाबों में कोयले की

भट्टी और लकड़ी का उपयोग किया जा रहा है इस वजह से लकड़ी और कोयले की डिमांड बढ़ गई है बिलासपुर में कई लोगों का कहना है कि



ऑनलाइन बुकिंग के बावजूद नंबर नहीं लग पा रहा है जिसके कारण उन्हें समय पर सिलेंडर नहीं मिल रहा। मजबूरी में कुछ उपभोक्ताओं को 1500 रुपए

तक देकर ब्लैक में गैस सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है वहीं रायपुर, भिलाई और अंबिकापुर में भीड़ पहले की तुलना में कम हुई है एजेंसी संचालकों का कहना है

कि गैस सिलेंडर का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और सप्लाई भी लगातार आ रही है उपभोक्ताओं से घबराने या जल्दबाजी में एजेंसी पहुंचने के बजाय अपनी बुकिंग के अनुसार सिलेंडर लेने की अपील की जा रही है रायपुर के लाखे नगर स्थित जय माताजी भोजनालय के संचालक सुरेश पहलाजानी ने बताया कि युद्ध की वजह से जब से कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित हुई है, तब से वे अपने भोजनालय में खाना बनाने के लिए कोयला भट्टी का इस्तेमाल कर रहे हैं।

प्राकृतिक आपदा में मृतकों के परिजनों को 8 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करने की दिशा में प्रशासन ने संवेदनशील पहल करते हुए दो अलग-अलग प्रकरणों में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता स्वीकृत की है न्यायालय अपर कलेक्टर मनेन्द्रगढ़ द्वारा जारी आदेश के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 में संशोधित प्रावधान (01 दिसम्बर 2022) के तहत प्रत्येक प्रकरण में 4-4 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है इस आदेश के अनुसार तहसील क्षेत्र की सप्लाई प्रभावित हुई है, तब से वे अपने भोजनालय में खाना बनाने के लिए कोयला भट्टी का इस्तेमाल कर रहे हैं।

की जाएगी। स्वर्गीय राजेंद्र कोडकू, निवासी डोमनापारा जो 15 जून 2025 को संपर्क से मृत्यु हो गए थे के पिता छोट्टू कोडकू को सहायता राशि प्रदान की जाएगी। स्वर्गीय फूलकुंवर, निवासी परसगढ़ी जो 25 जुलाई 2025 को डबरी के पानी में डूब जाने से मृत्यु हो गए थे के पिता छत्रपाल सिंह को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। प्रशासन द्वारा स्वीकृत सहायता राशि संबंधित हितग्राहियों के बैंक खातों में हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शीघ्र सुनिश्चित की जाएगी, ताकि प्रभावित परिवारों को समय पर राहत मिल सके। यह राशि मांग संख्या-58, मुख्य शीर्ष-2245 प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में व्यय की जाएगी।

नर्मदापुरम का पारा 40 डिग्री से नीचे पश्चिमी विक्षोभ से 1.5 डिग्री गिरा तापमान

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में पिछले 4 दिनों से पड़ रही तेज गर्मी के बीच रविवार को दोपहर के तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई, जिससे अधिकतम पारा 40 डिग्री से लुढ़ककर 38.9 डिग्री पर आ गया है। मौसमविद वीएस यादव ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर भारत में हल्की बारिश की संभावना है, जिससे ठंडी हवाएं आ रही हैं। इसके कारण अगले चार दिनों में दिन के तापमान में 3 से 4 डिग्री तक की गिरावट आ सकती है। जिले में 20 मार्च तक हल्के बादल छाए रहेंगे, हालांकि नर्मदापुरम में बारिश की कोई संभावना नहीं है।

लगतार 3 दिन 40 के पार था तापमान : नर्मदापुरम में 12 मार्च से दोपहर का अधिकतम तापमान लगातार 40 डिग्री के पार दर्ज किया जा रहा था। 12 मार्च को 40.2 डिग्री, 13 मार्च को 40.1 डिग्री और 14 मार्च को 40.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। रविवार 15 मार्च को अधिकतम तापमान घटकर 38.9 डिग्री पर आ गया, वहीं रात का न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री रहा।

पचमढ़ी में 1.7 डिग्री की गिरावट : हिल स्टेशन पचमढ़ी में भी भीषण गर्मी से राहत मिली है और यहां के तापमान में 1.7 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। रविवार को यहां दिन का अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री व रात का न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री रहा। जबकि इससे एक दिन पहले शनिवार को पचमढ़ी का अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

खरगोन में किसान के खेत में लगी आग 3 एकड़ गेहूं की फसल राख



मीडिया ऑडिटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले की कसरगढ़ तहसील के भगवापुर में किसान राजेंद्र पाटोदा के खेत में कटाई के बाद रखे गेहूं के ढेर में आग लग गई। सोमवार तड़के करीब 5 बजे हुई इस घटना में लगभग 3 एकड़ में लगी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। लगभग 60 रुपए के नुकसान की आशंका का है। पीड़ित किसान राजेंद्र पाटोदा ने बताया कि वे रातभर रखवाली कर कर लौटे ही थे कि उन्हें खेत में आग लगने की सूचना मिली। उन्होंने तत्काल पुलिस और डायल 112 को सूचित किया और फायर ब्रिगेड बुलाई। मंडलेश्वर नगर पंचायत से पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक तीन एकड़ में रखी गेहूं की फसल का ढेर पूरी तरह जलकर राख हो चुका था। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। हालांकि, किसान और स्थानीय लोगों को आशंका है कि किसी शरारती तत्व ने जानबूझकर फसल में आग लगाई है। खेत में 100 फीट की दूरी पर गेहूं का एक और कटा हुआ ढेर सुरक्षित था। सुबह आसपास के किसानों ने खेत पहुंचकर जलते हुए ढेर को देखा और इसकी सूचना दी। मौके पर राजस्व और पुलिस प्रशासन के अधिकारी पहुंचे और पंचनामा बनाया जा रहा है। आग से हुई क्षति और इसके कारणों की जांच की जा रही है।

सीहोर में भूमि विवाद पर युवक पर हमला बड़े भाई और भतीजे ने चाकू-गुप्ती से किया घायल



मीडिया ऑडिटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के इच्छावर थाना क्षेत्र के भाऊखेड़ी गांव में मकान की जमीन को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर उसके बड़े भाई और भतीजे ने हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए भोपाल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार भाऊखेड़ी गांव निवासी लखनलाल का अपने छोटे भाई मनोहर वर्मा से मकान की जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते शनिवार शाम करीब साढ़े सात बजे दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हो गया। बताया जा रहा है कि उस समय मनोहर वर्मा अपनी दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान लखनलाल और उसका बेटा कृष्णपाल वहां पहुंचे और उन्होंने मनोहर पर चाकू और गुप्ती से हमला कर दिया। हमले में मनोहर गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर गए। ग्रामीण आसपास ही मौजूद थे। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ समय से इलाके के जंगलों में बाघ की मौजूदगी की आशंका जताई जा रही थी। घटना के बाद गांव और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जंगल क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और बाघ की मौजूदगी की जांच कराने की मांग की है। वहीं वन विभाग को भी घटना की सूचना दे दी गई है। इसके परिणामों को अवैध हथियार दिखाकर मारपीट की गई और घमकी दी गई। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता और आयुध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया था। घटना के बाद से आरोपी फरार था और पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

दोनों आरोपी गिरफ्तार : घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल मनोहर को तुरंत इच्छावर अस्पताल ले जाया गया। वहां से उनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें भोपाल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मामले में सोमवार को केस दर्ज कर दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। और उनसे पूछताछ की जा रही है। साथ ही घटना की जांच भी जारी है।

पन्ना में दोस्त ने की थी दोस्त की हत्या पत्थर से कुचला था सिर

मीडिया ऑडिटर, पन्ना (निप्र)।

पन्ना पुलिस ने रेपुप थाना क्षेत्र में एक युवक की हत्या का मामला 48 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। रूपड़र मोड़ के पास जंगल में मिले शव की पहचान के बाद खुलासा हुआ कि मृतक का करीबी दोस्त ही उसका हत्यारा है। जांच के दौरान, पुलिस ने कटनी-दमोह रोड पर लगे दर्जनों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। एक फुटेज में मृतक करन चौधरी अपनी पल्सर बाइक पर एक अन्य युवक के साथ दिखा।

मृतक की पहचान 19 वर्षीय करन चौधरी के रूप में हुई है। यह घटना 13 मार्च को सामने आई, जब रूपड़र के जंगलों में एक वनरक्षक ने पुलिस को शव मिलने की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को एक युवक का शव मिला, जिसका चेहरा पत्थर से बुरी तरह कुचला हुआ था। हत्यारे ने पहचान



मिटाने के उद्देश्य से चेहरे को क्षत-विक्षत कर दिया था। मामले की गंभीरता को

देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने एक विशेष टीम का गठन किया। डॉग स्क्वाड और

फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (स्वस्) की टीम ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए।

पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती मृतक की शिनाख्त करना था।

सीसीटीवी खंगाले : जांच के दौरान, पुलिस ने कटनी-दमोह रोड पर लगे दर्जनों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। एक फुटेज में मृतक करन चौधरी अपनी पल्सर बाइक पर एक अन्य युवक के साथ दिखा। मृतक की पहचान 19 वर्षीय करन चौधरी के रूप में हुई है। यह घटना 13 मार्च को सामने आई, जब रूपड़र के जंगलों में एक वनरक्षक ने पुलिस को शव मिलने की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को एक युवक का शव मिला, जिसका चेहरा पत्थर से बुरी तरह कुचला हुआ था। हत्यारे ने पहचान मिटाने के उद्देश्य से चेहरे को क्षत-विक्षत कर दिया था। फुटेज

में दिख रहे हुलिए के आधार पर पीछे बैठे युवक की पहचान अमर केवट के रूप में हुई, जो मृतक का दोस्त था। पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर आरोपी अमर केवट ने बताया कि 11 मार्च को वह और करन चौधरी शराब पीने के लिए जंगल गए थे। वहां पुरानी रॉजश को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया।

नशे की हालत में अमर ने पास पड़े एक भारी पत्थर से करन के सिर पर कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

आरोपी ले गया था बाइक : हत्या के बाद, आरोपी अमर केवट मृतक की पल्सर मोटरसाइकिल और मोबाइल लेकर फरार हो गया था। उसने बाइक और मोबाइल को कटनी के जंगलों में छिपा दिया था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मोटरसाइकिल और मोबाइल बरामद कर लिया है।

छतरपुर में लकड़ी काटने गए किसान पर टाइगर का हमला, कान काटा ग्रामीणों की आवाज सुनकर भागा

मीडिया ऑडिटर, छतरपुर (निप्र)।

छतरपुर जिले के सरई थाना क्षेत्र के ग्राम कसार के पास स्थित मुड़िया पहाड़ के जंगल में सोमवार को बाघ के हमले से एक किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। किसान जंगल में लकड़ी काटने गया था, तभी झाड़ियों से निकलकर आए बाघ ने अचानक उस पर हमला कर दिया। हमले में किसान का कान कट गया और उसके शरीर पर कई गहरे घाव हो गए। ग्रामीणों की मदद से घायल को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। शंकर की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लोगों को आते देख बाघ जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने घायल किसान को जंगल से बाहर निकाला और तुरंत उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घायल किसान की पहचान शंकर रैकवार (60) निवासी ग्राम कसार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार शंकर सोमवार को गांव से कुछ दूरी पर स्थित मुड़िया पहाड़ के जंगल में लकड़ी काटने गया था। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे बाघ ने पीछे से उस पर हमला कर दिया। पीछे से हमला कर जमीन



निकाला और तुरंत उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घायल किसान की पहचान शंकर रैकवार (60) निवासी ग्राम कसार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार शंकर सोमवार को गांव से कुछ दूरी पर स्थित मुड़िया पहाड़ के जंगल में लकड़ी काटने गया था। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे बाघ ने पीछे से उस पर हमला कर दिया। पीछे से हमला कर जमीन

पर गिराया : घायल किसान ने बताया कि बाघ करीब 6 से 7 फीट लंबा और लगभग ढाई फीट ऊंचा था। उसने अचानक पीछे से हमला कर शंकर को जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद बाघ ने उसके हाथ, गर्दन, चेहरे और पीठ पर कई वार किए। हमले के दौरान बाघ ने उसका कान भी काट लिया। शंकर की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लोगों को आते देख बाघ जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने घायल किसान को जंगल से बाहर निकाला और तुरंत उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफर : ग्रामीणों और परिजनों की मदद से शंकर

को पहले नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

घटना के समय गांव के ललित, बाबू रैकवार सहित चार अन्य ग्रामीण आसपास ही मौजूद थे। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ समय से इलाके के जंगलों में बाघ की मौजूदगी की आशंका जताई जा रही थी। घटना के बाद गांव और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से जंगल क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और बाघ की मौजूदगी की जांच कराने की मांग की है। वहीं वन विभाग को भी घटना की सूचना दे दी गई है।

अवैध हथियार दिखाकर मारपीट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

छतरपुर में गौरिहार पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त में देशी कट्टा

मीडिया ऑडिटर, छतरपुर (निप्र)।

छतरपुर के गौरिहार थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर ग्राम कितपुरा में अवैध हथियार दिखाकर एक महिला और उसके परिजनों से मारपीट करने का आरोप है। ग्राम कितपुरा में उसे और उसके परिजनों को अवैध हथियार दिखाकर मारपीट की गई और घमकी दी गई। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता और आयुध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया था। घटना के बाद से आरोपी फरार था और पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

पुलिस ने की कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार : कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी बुद्ध सिंह



राजपूत को गिरफ्तार कर लिया। बुद्ध सिंह राजपूत ग्राम कितपुरा, थाना गौरिहार निवासी राम आसरे राजपूत का पुत्र है। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध देशी कट्टा और कुल्हाड़ी बरामद की गई।

पुलिस ने उसके पास से घटना में इस्तेमाल देशी कट्टा और कुल्हाड़ी भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार, गौरिहार थाने में फरियादिया ने शिकायत दर्ज कराई

थी कि ग्राम कितपुरा में उसे और उसके परिजनों को अवैध हथियार दिखाकर मारपीट की गई और घमकी दी गई। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता और आयुध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया था। घटना के बाद से आरोपी फरार था और पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

पुलिस ने की कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार : कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी बुद्ध सिंह राजपूत को गिरफ्तार कर लिया।

बुद्ध सिंह राजपूत ग्राम कितपुरा, थाना गौरिहार निवासी राम आसरे राजपूत का पुत्र है। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध देशी कट्टा और कुल्हाड़ी बरामद की गई। पुलिस आरोपी को न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है। मिश्रा, शेरा सिंह और विकास सिंह सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रतलाम में अवैध 30 कमर्शियल सिलेंडर जब्त झाबुआ के पेटलावद से डिलीवरी के लिए आए

मीडिया ऑडिटर, रतलाम (निप्र)।

रतलाम के रावटी में रविवार शाम अवैध रूप से लोडिंग वाहन में से 30 कमर्शियल सिलेंडर प्रशासन व पुलिस की टीम ने जब्त किए हैं। इनमें 21 भरे हुए हैं। जबकि 9 खाली हैं। यह सिलेंडर झाबुआ जिले के पेटलावद से रतलाम के रावटी में डिलीवरी के लिए आए थे। प्रशासन ने एलपीजी सिलेंडरों को अपने कब्जे में ले लिया है। सभी सिलेंडर पेटलावद के श्री राम एजेंसी (गौ-गैस) की लोडिंग से रावटी में आए थे। ग्रामीणों की सूचना पर तहसीलदार वंदना किराड़े, रावटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मोहित मेघवंशी भी पहुंचे। लोडिंग चालक से पूछताछ की तो वह सही जवाब नहीं दे पाया। तब अधिकारियों ने लोडिंग वाहन समेत सभी सिलेंडर को अपने कब्जे में लेकर पुलिस थाना



परिसर में लाए। इसके बाद सिलेंडरों को रावटी के गैस एजेंसी के गोदाम में सुरक्षा के हिसाब से रखे गए।

जस सिलेंडरों में 15 किलोग्राम के 20 सिलेंडर हैं, जिनमें 13 एलपीजी गैस से भरे हुए हैं व 7 खाली हैं। 19.2 किलोग्राम के 10 सिलेंडर हैं। जिनमें 8 गैस से भरे हैं। 2 खाली

हैं। देर रात तक प्रशासन व पुलिस की टीम सिलेंडरों के बारे में जानकारी जुटा रही थी। प्राथमिक जांच में सिलेंडर से पेटलावद से आने बताया जा रहा है। जिस गाड़ी में सिलेंडर थे वह पेटलावद की थी।

पेटलावद से गाड़ी में सिलेंडर रखवाए या कहीं अन्य जगह से। इसके अलावा किसे देने थे वह

जांच की जा रही है। इसमें किसकी-किसकी ब्या भूमिका जांच की जा रही है।

अब तक यहां हुई कार्रवाई : बुधवार रात नामली में सर्विस सेंटर की आड़ में स्टोरेज कर रखे 31 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए थे। जिनमें 22 गैस से भरे हुए थे। जबकि 9 खाली थे। मौके से गैस रिफिलिंग का सामान भी मिला था। शुक्रवार रात धराड़ में पोल्ट्री फार्म से 64 कमर्शियल सिलेंडर मिले थे। जो एक कमरे में रखे हुए थे। हालांकि सभी सिलेंडर खाली थे। पोल्ट्री फार्म संचालक एक साथ इतने सिलेंडरों के बारे में कोई जानकारी व दस्तावेज नहीं उपलब्ध करा पाया था। पुलिस ने केस दर्ज किया था। शनिवार दोपहर रतलाम में घरेलू गैस ब्लैक में 2 हजार रुपए में बेचने पर की कार्रवाई की थी। मौके से लोडिंग वाहन चालक व हॉकर भाग गए थे।

चलती वैन में आग, दो लोगों ने कूदकर बचाई जानदो महीने पहले ही खरीदी थी मारुती वैन



मीडिया ऑडिटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में सोमवार दोपहर भोपाल-जबलपुर नेशनल हाईवे 45 पर एक चलती मारुति वैन में भीषण आग लग गई। वैन में सवार तीन लोगों ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई। यह घटना ग्राम पीपलवाली के पास हुई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही बाड़ी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को बुलाया। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। गंभीरत रही कि वैन में सवार तीनों लोग सुरक्षित बाहर निकल आए और एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, वैन पूरी जल गई। इस दौरान स्थानीय लोगों ने कार सवारों को बाहर निकालने में मदद की।

सागर में ऑटो चालक पर हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार लिफ्ट नहीं देने से था नाराज

मीडिया ऑडिटर, सागर (निप्र)।

सागर की गोपालगंज थाना पुलिस ने ऑटो रिक्शा चालक पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाने लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया है। पुलिस के अनुसार, फरियादी अन्नू उर्फ अनिल पिता सत्यनारायण यादव उम्र 35 वर्ष निवासी ग्वाली मोहल्ला गोपालगंज ने थाने में आकर शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि वह ऑटो रिक्शा चलाने का काम करता है। 13 मार्च की रात करीब 10.45 बजे वह ऑटो चलाकर घर जा रहा था। जब वह डिग्री कॉलेज के पास पहुंचा तो एक व्यक्ति ने उसका ऑटो रुकवाया। उसे आगे छोड़ने के लिए कहा लेकिन फरियादी ने मना कर दिया। इसी बात उसने स्वयं को अनिकेत अहिरवार निवासी ढाना बताते हुए गालीगलौज शुरू कर दी। गालियां देते हुए अचानक धारदार हथियार



से हमला कर दिया। हमले के दौरान फरियादी की नाक, होंठ, दाहिने हाथ और बाएं हाथ की हथेली व अंगुलियों में गंभीर चोट आई। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों के आने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल फरियादी को तत्काल डायल-112 पुलिस वाहन की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बीएमसी रेफर किया गया।

आरोपी को गिरफ्तार कर

पूछताछ कर रही पुलिस : घटना की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया। गोपालगंज थाना प्रभारी घनश्याम शर्मा ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर रवाना की। टीम ने कार्रवाई करते हुए रविवार को आरोपी अनिकेत अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया। थाने लाकर आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

सीहोर में अधिकतम तापमान 37 डिग्री दर्जदोपहर में सड़के सूनी



मीडिया ऑडिटर, सीहोर (निप्र)।

सीहोर जिले में सोमवार को भीषण गर्मी का दौर जारी रहा। बीते 24 घंटे में यहां अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो रविवार के 36 डिग्री अधिक है। मार्च माह के तीसरे सप्ताह की शुरुआत के साथ ही सूरज के तेवर लगातार तीखे होते जा रहे हैं। दोपहर के समय लोगों को तेज गर्मी का एहसास हो रहा है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। तेज धूप के कारण सड़कों पर आवाजाही और यातायात काफी कम देखने को मिल रहा है। सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक सड़कें लगभग सूनी नजर आती हैं। गर्मी से राहत पाने के लिए बाजार में गन्ने के रस और ककड़ी की दुकानों सज गई हैं। लोग इन दुकानों पर पहुंचकर भीषण गर्मी से कुछ हद तक राहत महसूस कर रहे हैं।

स्मृति मंधाना ने 5वीं बार जीता बेस्ट क्रिकेटर का अवॉर्ड

शुभमन गिल भी सम्मानित, जानें कितनी मिली प्राइज मनी



नई दिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई द्वारा सालाना अवॉर्ड का आयोजन नई दिल्ली में 15 मार्च रविवार को हुआ। इस दौरान कई खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। वहीं भारत की सभी 6 आईसीसी ट्रांफी विनिंग टीमों भी सम्मानित की गईं। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट

टीम की उपकप्तान और विश्व विजेता खिलाड़ी स्मृति मंधाना को साल की बेस्ट महिला इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया। उन्होंने पांचवीं बार यह अवॉर्ड जीता है। इसके अलावा भारतीय वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को पॉली उमरीगर अवॉर्ड से

नवाजा गया। यह अवॉर्ड साल के बेस्ट पुरुष इंटरनेशनल क्रिकेटर को मिलता है। इस साल भारतीय कप्तान को यह सम्मान मिला। शुभमन को बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने यह अवॉर्ड दिया। वहीं स्मृति मंधाना को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने यह पुरस्कार दिया।

स्मृति और शुभमन को मिली कितनी प्राइज मनी?

स्मृति मंधाना को पांचवीं बार बीसीसीआई अवॉर्ड्स में साल की बेस्ट महिला इंटरनेशनल क्रिकेटर का अवॉर्ड मिला। उन्हें यह अवॉर्ड साल 2024-25 में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मिला। उन्हें इस अवॉर्ड में चमत्कारी ट्रांफी के साथ 15 लाख रुपये की प्राइज मनी भी मिली। वहीं भारतीय वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को भी यह अवॉर्ड साल 2024-25 में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मिला। उन्हें भी इस अवॉर्ड में ट्रांफी के साथ 15 लाख रुपये की प्राइज मनी मिली। इस अवॉर्ड को जीतने के बाद गिल ने सभी भारतीय टीमों को आईसीसी ट्रांफी जीतने के लिए शुभकामनाएं दीं।

बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स 2024-25: यहां देखें विजेताओं की पूरी लिस्ट

- सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू 2024-25
- सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू, महिला - एन श्री चरणी
- सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू, - हर्षित राणा
- सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर 2024-25
- सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर, महिला - स्मृति मंधाना

पॉली उमरीगर पुरस्कार

- सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर, पुरुष - शुभमन गिल
- लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार
- अचीवमेंट पुरस्कार - रोजर बिन्नी
- कर्नल सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार - राहुल द्रविड़
- महिलाओं के लिए क्लबहु लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार - मिताली राज

संजु सैमसन ने की वैभव सूर्यवंशी की मिमिक्री, बताया- IPL डेयू से पहले का किस्सा

'अगर हमें पहला मिला तो उड़ा देंगे'

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा 15 मार्च को नई दिल्ली में सालाना अवॉर्ड्स समारोह का आयोजन किया गया। इसमें सभी आईसीसी ट्रांफी विनर भारतीय टीमों सम्मानित की गईं। जिसमें अंडर 19 वर्ल्ड कप विनर भारतीय मंस टीम और टी20 वर्ल्ड कप 2026 विनर भारतीय टीम के खिलाड़ी भी मौजूद थे। इस दौरान स्टेज पर हार्दिक पंड्या, संजु सैमसन, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी स्टेज पर आए और कई सारी बातें हुईं। इसी दौरान संजु ने वैभव की मिमिक्री करते हुए एक खास किस्सा सुनाया।



संजु सैमसन ने स्टेज पर मौजूद खिलाड़ियों के साथ वैभव सूर्यवंशी का डेब्यू से पहले का किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि जब डेब्यू से पहले राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने वैभव से उनके गेम प्लान के बारे में पूछा तो 14 वर्षीय बल्लेबाज ने कैसे जवाब दिया। इसका किस्सा संजु ने वैभव की मिमिक्री करते हुए ही बताया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

संजु ने बताया वैभव और द्रविड़ की बातचीत का किस्सा- संजु सैमसन ने बताया, 'राहुल सर ने वैभव को बुलाया और पूछा कि क्या है तुम्हारा गेम प्लान? इसका जवाब देते हुए वैभव ने कहा, ऐसा कुछ नहीं है सर हम तो खेलेंगे। फिर राहुल सर ने कहा क्या है गेम प्लान यह बताओ? तब वैभव बोले, हमें पहला मिला तो हम पहला ही उड़ा देंगे। और ठीक उसने ऐसा ही किया और हमने कहा कि यह अलग वीडियो गेम ही खेल रहा है।'

वैभव ने बताया अपनी पसंदीदा फिल्म का नाम: इसके अलावा इस दौरान वैभव सूर्यवंशी ने कई बातें बताईं। उन्होंने बताया कि स्टैडियल में उन्होंने 2017 में पुणे सुपर जायंट्स और आरसीबी का मैच देखा था। इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पसंदीदा फिल्म धुरंधर है। साथ ही वैभव ने यह भी कहा कि वह क्रिस गेल के 175 रन के रिकॉर्ड को टी20 क्रिकेट में तोड़ना चाहते हैं।

रोहित शर्मा या सहवाग नहीं...



विराट कोहली ने इस खिलाड़ी को बताया टी20 फॉर्मेट का ऑलटाइम बेस्ट ओपनर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और लीग के पहले 20 मैचों का शेड्यूल भी आ गया है। इसी बीच सभी खिलाड़ी अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी के कैप से भी जुड़ने लगे हैं। इसी क्रम में विराट को भी आरसीबी के साथ अपनी प्रैक्टिस शुरू कर चुके हैं। फ्रेंचाइजी ने रविवार 15 मार्च को अपने एक्स हैडल पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें विराट कोहली से टी20 के ऑलटाइम बेस्ट ओपनर को लेकर सवाल किए गए। विराट कोहली को इस सवाल-जवाब के क्रम में बीच-बीच में दो ऑफ़न दिए जा रहे थे। इसमें शुरुआत एडम गिलक्रिस्ट और सुनील नरेन के नाम से हुईं। विराट को किसी दो में से एक नाम को बतौर बेस्ट टी20 ओपनर बताना था। इसमें अंत में वीरेंद्र सहवाग और रोहित शर्मा के भी नाम आए। सभी नामों के बाद अंत में विराट कोहली ने क्रिस गेल को टी20 फॉर्मेट का ऑलटाइम बेस्ट ओपनर चुना।

सचिन और सहवाग में कोहली ने वीरू को चुनाव-रैपिड फायर के इस राउंड में विराट से जब वीरेंद्र सहवाग और शेन वॉटसन, फाफ डुल्लेसिस, ब्रेंडन मैकुलम व शिखर धवन के नाम पूछे गए तो सभी ऑप्शन में कोहली ने सहवाग को बेस्ट ओपनर चुना। वहीं जब सचिन तेंदुलकर और वीरेंद्र सहवाग का ऑप्शन आया तो विराट ने फिर भी सहवाग को चुना।

इस राउंड के आखिरी में जब क्रिस गेल का नाम आता है तब उन्होंने सहवाग के आगे गेल का नाम लिया। उसके बाद जब क्रिस गेल और रोहित शर्मा में से किसी एक को बतौर बेस्ट टी20 ओपनर चुनने की बात आई, वहां भी विराट ने गेल को बेस्ट टी20 ओपनर चुन लिया। इस तरह विराट कोहली के मुताबिक अंत में क्रिस गेल बेस्ट टी20 ओपनर बनकर निकले। क्रिस गेल के टी20 रिकॉर्ड निश्चित

ही विध्वंसक हैं। उन्होंने अपने ओवरऑल टी20 करियर में 463 मैच खेलते हुए 455 पारियों में 14562 रन बनाए। उनका करियर स्ट्राइक रेट 150 का है जिसमें 88 अर्धशतक और 22 शतक भी शामिल हैं। गेल ने अपने टी20 करियर में 1056 छक्के लगाए हैं। यह रिकॉर्ड बताते हैं कि उन्हें टी20 क्रिकेट का क्यों महान बल्लेबाज या ओपनर कहा जाता है।



पाकिस्तान की फिर बेइज्जती

बांग्लादेश ने ODI सीरीज में 2-1 से हराया; सलमान आगा का शतक बेकार

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में किरकिरी करवाने के बाद जब पाकिस्तानी टीम ने अपनी 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियां शुरू कीं, तो उसमें भी अब संघ लग गई। बांग्लादेश दौर पर शाहीन शाह अफरीदी की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम को हार झेलनी पड़ी। मेजबान बांग्लादेश ने पाकिस्तान को तीसरे वनडे मैच में 11 रन से हराया और सीरीज जीती।

इसी के साथ बांग्लादेश ने 2-1 से सीरीज पर कब्जा किया। इस मैच में पहले खेलते हुए बांग्लादेश ने 5 विकेट पर 290 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम यह मुकाबला आखिरी तक ले गई लेकिन 11 रन से हार गई। बांग्लादेश के लिए 10 ओवर में 49 रन देकर चार विकेट लिए तस्किन अहमद ने और इस जीत के हौसे बने। तस्किन के आगे सलमान अली आगा की 106 रन की शतकीय पारी बेकार चली गई।

मुस्तफिजुर का जज्बा, रियाद का बेहतरीन आखिरी ओवर- अंत में कप्तान शाहीन अफरीदी ने 38 गेंद पर 37 रन की पारी खेलकर



लड़ाई जरूर लड़ी लेकिन 49वें ओवर में मुस्तफिजुर की हिम्मत और 50वें ओवर में रियाद हुसैन की कमाल की गेंदबाजी ने मैच को पाकिस्तान से दूर कर दिया। मुस्तफिजुर ने चोट के बावजूद 49वें ओवर की आखिरी गेंद डाली और हारिस रऊफ का विकेट लेकर पाकिस्तान को 9वां झटका दिया। उन्होंने 10 ओवर में 54 रन देकर तीन विकेट लिए। इसके बाद आखिरी ओवर में पाकिस्तान को 14 रन की जरूरत थी। रियाद ने पहली दो गेंद पर अफरीदी को रन नहीं बनाने दिए। फिर तीसरी गेंद पर पाकिस्तानी कप्तान ने दो रन लिए और 3 गेंद पर बचे 12 रन। चौथी गेंद भी रियाद ने डॉट निकाल दी। फिर पांचवीं गेंद अपायर ने वाइड दी लेकिन रिव्यू में यह भी वाइड नहीं थी और एक और डॉट निकल गई। आखिरी गेंद पर रियाद ने अफरीदी को आउट किया और बांग्लादेश को शानदार जीत दिला दी। इस ओवर से पहले रियाद हुसैन ने 6 ओवर में 54 रन दिए थे और 7वें ओवर में उन्होंने सिर्फ दो रन दिए और एक विकेट ले लिया।

कोहली-साल्ट ओपनर बथेल पर फंस रहा पेंच

- AI ने चुनी SRH के खिलाफ मैच के लिए RCB की संभावित प्लेइंग 11



नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने का रहा है। इस टूर्नामेंट में आरसीबी की टीम अपना पहला मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद के साथ खेलेंगी। यह मैच टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच भी होगा। इस मैच के लिए डिफेंडिंग चैंपियन टीम की प्लेइंग 11 को लेकर लगातार चर्चा बनी हुई। दरअसल टीम के चार विदेशी खिलाड़ियों पर पेंच फंस्ता दिख रहा है। टी20 वर्ल्ड कप के स्टाफ रहे जैकब बथेल की जगह पर मामला फंस्ता दिख रहा है। इसी को लेकर अगर एआई का क्या सोचना है उस पर बात करें तो, गुगल जेमिनी, चैट जीपीटी और ग्रेक तीनों की प्लेइंग 11 में जैकब बथेल की जगह पर मामला फंस रहा है। वहीं नंबर 3 के लिए सभी टीमों में देवदत्त पडिकवल का नाम जरूर है। साथ ही तीनों टीमों में बथेल की चार विदेशियों में जगह नहीं बन रही है। अब देखना होगा कि आरसीबी टीम मैनेजमेंट इस गुल्थी को कैसे सुलझाएगा, क्योंकि बथेल जिस फॉर्म के साथ वर्ल्ड कप के बाद आएंगे, उन्हें बेंच पर बैठाना आसान नहीं होगा।

Google Gemini द्वारा चुनी गई आरसीबी की प्लेइंग 11

विराट कोहली, फिल साल्ट, देवदत्त पडिकवल, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, कृणाल पंड्या, रोमारियो शोफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल।

इम्पैक्ट प्लेयर: सुयश शर्मा/मंगेश यादव, वेंकटेश अय्यर

Chat GPT द्वारा चुनी गई आरसीबी की प्लेइंग 11

विराट कोहली, फिल साल्ट (विकेटकीपर), देवदत्त पडिकवल, रजत पाटीदार (कप्तान), वेंकटेश अय्यर, टिम डेविड, कृणाल पंड्या, रोमारियो शोफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल।

इम्पैक्ट प्लेयर: जितेश शर्मा, सुयश शर्मा

नोट: जोश हेजलवुड के चोट के कारण पहले मैच में खेलने पर सस्पेंस है, और अगर वह नहीं खेले तो प्लेइंग 11 में बदलाव हो सकते हैं।

RCB के गेंदबाज पर दो बार लगे रेप के आरोप

अब गुपचुप कर ली शादी, जानें कौन हैं यश दयाल की पत्नी श्वेता पुंडीर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज यश दयाल ने 2026 के सीजन से पहले एक नई शुरुआत की है। उन्होंने अचानक शादी करके सभी को हैरान कर दिया है। यश ने अपने इंस्टाग्राम हैडल से भी अपनी और अपनी पत्नी श्वेता की तस्वीर शेयर की थी। खास बात यह है कि पिछले साल उनके ऊपर दो बार रेप के आरोप भी लगे थे। अब उन्होंने एक प्राइवेट सेरेमनी में श्वेता के साथ सात फेरे लिए और शादी के पवित्र बंधन में बंध गए। जानकारी के मुताबिक उनकी शादी 4 फरवरी को ही एक प्राइवेट समारोह में हो गई थी। इसमें उनके परिवार के लोग ही मौजूद थे। यश दयाल के ऊपर आरोप लगे थे कि उन्होंने जयपुर की 17 वर्षीय एक नाबालिग के साथ दो साल तक ब्लैकमेल करते हुए रेप किया।

इस मामले में जयपुर के सांगानेर सदर थाने में यश दयाल के ऊपर FIR दर्ज है। वहीं गाजियाबाद की भी एक महिला ने भी उनके ऊपर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया था। राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा उन्हें फिलहाल जनवरी में उन्हें अग्रिम जमानत मिली और इस फैसले का भी श्वेता पुंडीर (उनकी पत्नी) ने स्वागत किया था। इसके बाद यश दयाल ने हाईकोर्ट में एक अलग याचिका भी दाखिल की थी। अब

उन्होंने गुपचुप शादी कर ली और इसकी जानकारी उन्होंने खुद शेयर की। आइए अब जानते हैं कि कौन हैं उनकी पत्नी श्वेता पुंडीर।

कौन है श्वेता पुंडीर?

श्वेता पुंडीर एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और ब्लॉगर हैं। श्वेता दिल्लीकी रहने वाली हैं। इंस्टाग्राम पर उनके तस्वीर 6 लाख फॉलोअर्स हैं। उन्होंने इससे पहले इंटरनैटमेंटल लीजेंड्स लीग में भी ब्रॉडकास्टर्स के साथ काम किया था। उनका सोशल मीडिया पर तगड़ा फैनबेस है। इंस्टा बायो के मुताबिक श्वेता खुद को एक आर्टिस्ट, कंटेंट क्रिएटर और ब्लॉगर बताती हैं। यश दयाल अब आईपीएल 2026 में आरसीबी के लिए नजर उन्हें फ्रेंचाइजी ने इस सीजन के लिए 5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। उन्होंने 2022 में अपना आईपीएल डेब्यू गुजरात टाइटंस के लिए किया था। उसके बाद 2023 में रिकू सिंह ने उनके एक ओवर में लगातार पांच छक्के लगाए थे और वह चर्चा में आए। फिर उस सीजन के बाद उन्होंने बेहतरीन वापसी की आरसीबी के लिए। फिर 2024 में उन्हें भारत और बांग्लादेश के बीच घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया में पहली बार चुना गया लेकिन वह डेब्यू नहीं कर पाए।



संकल्प से समाधान अभियान के आवेदनों का करें निराकरण

लंबित आवेदन पत्रों का निराकरण करके विभाग की रैंकिंग सुधारें: कलेक्टर

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी फरवरी माह में दर्ज शिकायतों तथा 50 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल में विभागों की रैंकिंग संतोषजनक नहीं है। लंबित आवेदन पत्रों का तत्परता से निराकरण करके विभाग की रैंकिंग सुधारें। विभाग की रैंकिंग ए श्रेणी में सुनिश्चित करें। राजस्व विभाग, खाद्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण



विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नगरीय निकाय तथा श्रम विभाग आवेदनों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। जिला आपूर्ति अधिकारी एलपीजी से संबंधित सभी

शिकायतों को 24 घंटे में निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान में 16 से 26 मार्च तक तीसरा चरण चलेगा। इसमें जिला स्तर पर आवेदन पत्रों का निराकरण किया जाएगा। लंबित

आवेदन पत्रों का शत-प्रतिशत निराकरण करके प्रतिवेदन पोर्टल पर दर्ज कराएँ। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रम विभाग में मजदूरों के पंजीयन से संबंधित सभी आवेदन पत्रों का निराकरण कराएँ। जिस ग्राम पंचायत सचिव

के पास 10 से अधिक आवेदन लंबित हैं उस पर पाँच हजार रुपए का जुर्माना लगाएँ। कार्यपालन यंत्रणी पीएचई अभियान चलाकर खराब हेण्डपंपों में सुधार कराएँ। हेण्डपंप सुधार के लिए अतिरिक्त राइजर पाइप तथा अन्य सामग्री की तत्काल व्यवस्था करें। जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से शुरू हो रहा है। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विकासखण्ड स्तर पर जनप्रतिनिधियों की सहभागिता के साथ समारोहपूर्वक अभियान का शुभारंभ कराएँ। अभियान के दौरान गत वर्ष के जल संरक्षण के अथुरे कायों को पूरा कराएँ। कलेक्टर ने कहा कि किशोरियों को एचपीवी टीकाकरण की

स्थिति संतोषजनक नहीं है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी व्यापक अभियान चलाकर टीके लगवाने के लिए 14 और 15 वर्ष की किशोरियों तथा उनके अभिभावकों को काउंसलिंग करें। अब परीक्षाएँ समाप्त हो गई हैं। यह टीका किशोरियों को सर्वोत्कृष्ट कैंसर से पूरी सुरक्षा देगा। हर माता-पिता अपनी बेटी को कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाने के लिए टीका अवश्य लगवाएँ। सोशल मीडिया में भी टीकाकरण से संबंधित पोस्ट नियमित रूप से करें। टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों गणमान्य नागरिकों तथा समाजसेवी संस्थाओं का भी सहयोग लें।

रावण वध व राम राज्याभिषेक के साथ श्रीराम कथा का समापन, श्रद्धालुओं ने लिया भक्ति का आनंद



मीडिया ऑडिटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के गन्वेशन गणेश धाम (बराँव) में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा का समापन सोमवार को रावण वध एवं भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक के प्रवचन के साथ हुआ। यह धार्मिक आयोजन वरिष्ठ संविदाकार विजय कुमार मिश्रा के सुपुत्र समाजसेवी इंजीनियर विनीत मिश्रा द्वारा 8 मार्च से कराया जा रहा था। कथा के नौवें दिन कथा व्यास स्वामी दासराथि महाराज ने रावण वध और श्रीराम के राज्याभिषेक का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि यह प्रसंग धर्म की विजय और अधर्म के अंत का संदेश देता है।

उन्होंने कहा कि अहंकार और अन्याय का अंत निश्चित है, जबकि सत्य, धर्म और मर्यादा की हमेशा जीत होती है। कथा पंडाल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भगवान श्रीराम की कथा का श्रवण कर रहे थे। आयोजन के दौरान प्रतिदिन विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर डीएसपी विक्रम सिंह सहित विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारी तथा हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजनकर्ता इंजीनियर विनीत मिश्रा ने सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

बिजली, आवारा पशु सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर तहसील कार्यालय सेमरिया का किया गया घेराव

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) रीवा द्वारा तहसील कार्यालय सेमरिया में बिजली, आवारा पशु, नक्शा तस्वीर, खाद गैस एवं विभिन्न समस्याओं को लेकर तहसील अध्यक्ष शिवमंगल सिंह की अगुवाई में तहसील कार्यालय सेमरिया में धरना प्रदर्शन कर घेराव किया गया इसके बाद तहसीलदार सेमरिया को विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुप्रिया सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार किसानों मजदूरों और आम जनता के साथ अन्याय कर रही है जो बर्दास्त नहीं किया जाएगा यदि जल्द ही मेरी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन टिकैत



आंदोलन करने के लिए बाध्य हो जाएंगी। आज आम जनता और किसान मनमानी बिजली के बिल से परेशान है लेकिन कोई देखने सुनने वाला नहीं है आवारा पशु किसानों के खेतों को नुकसान पहुंचा रहे हैं शासन प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नक्सा तस्वीर के लिए किसान तहसील कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं परंतु कोई

ध्यान नहीं दे रहा है। गैस के लिए आम जनता परेशान है प्रशासनिक अधिकारी और मंत्री कह रहे हैं कि कोई समस्या नहीं है तो गैस गोदामों में कई किलोमीटर तक भीड़ क्यों सरकार के सारे बाड़े खोखले हैं धरातल में कुछ भी नहीं है उस दौरान किसान नेता प्रोफेसर आर डी सिंह, संगठन मंत्री मुन्ना तिवारी, किसान नेता ईश्वरदीन

सिंह जिला उपाध्यक्ष घनश्याम सिंह, जिला महासचिव वीरभद्र सिंह, जिला युवाध्यक्ष दिनेश सिंह, जिला संगठन मंत्री वीरेंद्र प्यासी, ब्लॉक अध्यक्ष डी पी पाण्डेय, अशोक कुशवाहा ब्लॉक प्रवक्ता, सेमरिया नगर अध्यक्ष प्रीतु विश्वकर्मा, छोटेलाल तिवारी तहसील प्रवक्ता, भूपेन्द्र सिंह मझियार, तहसील उपाध्यक्ष विद्याविलास पाण्डेय, किसान नेता महेंद्र सिंह, महेन्द्र सिंह बधरी, किसान नेता रामसुंदर सिंह, पूर्व सरपंच भमरा मंगलेश्वर सिंह, किसान नेता उमेश पाण्डेय बेला, किसान नेता भी के त्रिपाठी, किसान नेता चंद्रमौल सिंह, किसान नेता सुशीला सिंह, आशा सिंह, शोला पुषेंद्र सिंह खड्डा, अतुल सिंह? खड्डा, मीरा सिंह हर्दई सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

नरवाई न जलाने के संबंध में किसानों को किया जा रहा जागरूक

मीडिया ऑडिटर, मऊगंज (निप्र)। कृषि विभाग मऊगंज द्वारा कृषक कल्याण वर्ष 2026 के परिपालन में कृषकों को लगातार जागरूक किया जा रहा है विकासखण्ड मऊगंज के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत हटवा सोरहान में नरवाई प्रबंधन की जानकारी दी। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी उमेश चंद्र द्वारा बताया गया कि फसलों की कटाई के बाद उनके जो अवशेष खेत में रह जाते हैं, उसे नरवाई या पाली कहते हैं। मशीनों से फसल की कटाई होने पर बड़ी मात्रा में नरवाई खेत में रहती है, इसको हटाने के लिए किसान प्रायः इसे जला देते हैं। इससे खेत की मिट्टी की उमरी परत में रहने वाले फसलों के लिए उपयोगी जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, मिट्टी में



कड़कपन आ जाता है जिसके कारण जलधारण क्षमता बहुत कम हो जाती है। किसान नरवाई प्रबंधन के लिए आधुनिक कृषि उपकरणों जैसे हैप्पी सोडर, सुपर सोडर आदि का उपयोग करें जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है एवं पर्यावरण प्रदूषण भी नहीं होता है, साथ ही शासन द्वारा इन यंत्रों पर अनुदान भी दिया जा रहा है, जिसे लॉटरी सिस्टम से प्राप्त कर सकते हैं। किसान धान, गेहूँ और अन्य फसलों की नरवाई

खेत से हटाने के लिए सुपर सोडर और हैप्पी सोडर का उपयोग करें। ये उपकरण किसी भी ट्रेक्टर, जो 55 एचपी के हों, उस में आसानी से फिट हो जाते हैं। इन के उपयोग से एक ही बार में नरवाई नष्ट होने के साथ साथ खेत की जुताई और बोआई हो जाती है, इससे जुताई का खर्च और समय दोनों की बचत होती है। इस दौरान विभागीय आमला जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कृषकगण उपस्थित रहे।

विश्व उपभोक्ता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडिटर, मऊगंज (निप्र)। विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर जिला खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मऊगंज द्वारा उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों को उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं एवं सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर कनिष्ठ अपूर्ण अधिकारी अनिल गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण तथा उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बताया गया कि वर्ष 2026 के अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस की थीम 'सुरक्षित उत्पाद, आत्मविश्वासी उपभोक्ता' निर्धारित की गई है। इस विषय का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं विश्वसनीय उत्पाद उपलब्ध कराना तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वक्तव्यों ने उपभोक्ताओं को असुरक्षित एवं नकली उत्पादों से बचने, वस्तुओं की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की जांच करने तथा ऑनलाइन और वैश्विक बाजार में उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही यह भी बताया गया कि विश्व स्तर पर द्वारा उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा और जागरूकता के लिए विभिन्न अभियान संचालित किए जाते हैं। नागरिकों से अपील की गई कि किसी भी वस्तु या सेवा की खरीद के समय उसकी गुणवत्ता, मानक चिह्न और वैधता की जांच अवश्य करें तथा किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित उपभोक्ता मंच में शिकायत दर्ज कराएँ।

नगर निगम की अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई, स्कूल के पास पान-गुटका बिक्री पर रोक

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। नगर पालिक निगम रीवा द्वारा शहर में बढ़ते अतिक्रमण को रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर सोमवार को नगर निगम की अतिक्रमण टीम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जों को हटवाया और संबंधित लोगों को सख्त चेतावनी दी। नगर निगम की टीम ने मार्तण्ड स्कूल क्रमांक-1 के पास अवैध रूप से गोमती लगाकर पान-गुटका बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। मौके पर पहुंची टीम ने गोमती को हटवते हुए दुकानदार को कड़ी हिदायत दी कि स्कूल परिसर के आसपास किसी भी प्रकार की नशे से संबंधित सामग्री की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित है।



अधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि दोबारा ऐसी गतिविधि पाई गई तो चालानी कार्रवाई के साथ-साथ सामग्री जब्त कर ली जाएगी। इसके अलावा अतिक्रमण दल ने वार्ड क्रमांक 4 'खैरी क्षेत्र में भी कार्रवाई करते हुए सड़क निर्माण में बाधा बन रहे स्थायी अतिक्रमण को हटवाया। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य में रुकावट बनने वाले सभी अवैध ढांचों को हटकर निर्माण कार्य को सुचारु रूप से

आगे बढ़ाने की कार्रवाई की गई। शहर के मानस भवन के पास लगने वाले सोमवारी बाजार में भी नगर निगम की टीम पहुंची, जहां ठेला और गुमटी संचालकों को व्यवस्थित कराया गया। इस दौरान सड़क पट्टी पर किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सके और आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो। इसके साथ ही कृषि महाविद्यालय तिराहा, जय स्तंभ से अस्पताल चौराहा तथा थोबिया टंकी के क्षेत्र में भी अस्थायी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। यहां ठेला और गुमटी संचालकों द्वारा सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटवते हुए यातायात को बहाल कराया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर: योगा और वृक्षारोपण का आयोजन इटौरा ग्राम पंचायत में महारानी लक्ष्मी बाई कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित सात दिवसीय शिविर का दूसरा दिन

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। महारानी लक्ष्मी बाई कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी रीवा द्वारा इटौरा ग्राम पंचायत में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत सात दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आज इस शिविर का दूसरा दिन था, जिसमें ग्राम पंचायत सरपंच भास्कर दत्त साहू और महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्चना द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। आज के कार्यक्रम में योगा और वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। शिव मंदिर परिसर में योगाध्यास किया गया और साथ ही, वृक्षारोपण की भी गतिविधि चल रही थी। इस



अवसर पर स्वयंसेवकों और ग्रामवासियों ने मिलकर कार्यक्रम में भाग लिया और वृक्षारोपण के महत्व पर चर्चा की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के संचालक पुषेंद्र त्रिपाठी, ऋषि मिश्रा, कार्यक्रम प्रभारी सैंदर सिंह, अनिशा शर्मा, नवीन तिवारी और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। उन्होंने इस कार्य को सराहा और सभी को स्वच्छ पर्यावरण बनाने के लिए प्रेरित किया। स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को वृक्षारोपण के लाभों से अवगत

कराया और बच्चों को योगाध्यास के महत्व के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन सफलतापूर्वक हुआ, जिससे स्थानीय समुदाय को स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया।

निर्माण कार्य प्रारम्भ करने की सूचना देना है अनिवार्य, सूचना नहीं देने पर हो सकती है

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। श्रम विभाग द्वारा निर्माण स्थलों पर सुरक्षा एवं स्वस्थ कार्यस्थल बनाने और श्रमिकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। भवन एवं अन्य निर्माण कर्मकर कल्याण मण्डल अंतर्गत निर्माण स्थलों पर श्रमिकों के लिए सुरक्षा व्यवस्था एवं सुरक्षा अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है श्रम सेवा पोर्टल मोबाइल एप पर निर्माण स्थल का पंजीयन विवरण, कर्मचारियों की संख्या, स्थान (लोकेशन) सहित अन्य आवश्यक जानकारी एकर की जा रही है, जिस पर नियोजक श्रमिकों के दौरान, एनएसयूआई रीवा जिला उपाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा कि छात्रों, युवाओं और आम जनता से जुड़े मुद्दों को उठाना उनका लोकतांत्रिक अधिकार है।

भवन या अन्य निर्माण कार्य प्रारंभ करने से कम से कम 30 दिन पूर्व उस क्षेत्र में, जहां प्रस्तावित भवन या अन्य निर्माण कार्य किया जाना है, अधिकारिता रखने वाले निरीक्षक को स्थल, सुरक्षा उपाय सहित समस्त आवश्यक जानकारी सौंपना अनिवार्य है। निर्माण स्थलों की जानकारी सूचना एमपीबीओसीईन्यू के ऑनलाइन पोर्टल या जिला श्रम कार्यालय के माध्यम से दी जा सकती है। सूचना न देने पर निर्देशित किया गया है और नियोक्ता पर जुर्माना/कार्रवाई हो सकती है। अधिनियम के प्रावधानों अनुसार यदि कोई नियोजक, धारा 46 के अधीन भवन या अन्य निर्माण कार्य के प्रारंभ की सूचना नहीं देता है, तो उसे कारवास; जिसकी अवधि तीन महीने तक की हो सकती है। जो दो हजार रुपए तक अथवा दोनों हो सकता है।

एनएसयूआई का भाजपा कार्यालय घेराव, पुलिस ने वाटर कैनन, लाठीचार्ज और आंसू गैस का किया इस्तेमाल

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने भाजपा कार्यालय का घेराव किया और केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। यह प्रदर्शन एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र और युवा शामिल हुए। प्रदर्शनकारी एनएसयूआई कार्यकर्ता बैजू धर्मशाला से एकर हुए, जहां पंकज उपाध्याय ने सभा को संबोधित करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों और स्थानीय समस्याओं पर कड़वें विरोध जताया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने तैली के रूप में भाजपा कार्यालय की ओर मार्च किया। इस दौरान, एनएसयूआई ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया, जैसे कि शिक्षण संस्थानों में जातिगत



भेदभाव और वैचारिक दबाव का माहौल, जो छात्रों के भविष्य और शैक्षणिक वातावरण को प्रभावित कर रहा है। इसके अलावा, भारत और अमेरिका के बीच होने वाली विरोध किया गया। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि शिक्षा संस्थानों में आरएसएस की कथित गतिविधियां

बढ़ रही हैं, और किसी विशेष विचारधारा का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। उनका कहना था कि शिक्षा संस्थान राजनीति और विचारधाराओं से मुक्त होने चाहिए ताकि छात्रों को निष्पक्ष और स्वतंत्र वातावरण मिल सके। इसके साथ ही, उन्होंने एमपीन फुल्ल मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की और जिले की बिगड़ती स्वास्थ्य,

कानून-व्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। पंकज उपाध्याय ने कहा कि जिले में बेरोजगारी की समस्या लगातार बढ़ रही है और युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जबकि एशिया का सबसे बड़ा सोलर प्लांट रीवा के गुरु में स्थित है, फिर भी युवाओं को रोजगार के



अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। साथ ही, बढ़ती महंगाई और पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर भी सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को बीच रास्ते में ही रोक लिया, जिससे तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए पुलिस ने चादर कैनन का

इस्तेमाल किया। इसके बावजूद, जब छात्र-युवा पीछे हटने को तैयार नहीं हुए, तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान, एनएसयूआई रीवा जिला उपाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा कि छात्रों, युवाओं और आम जनता से जुड़े मुद्दों को उठाना उनका लोकतांत्रिक अधिकार है।